डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 38 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

जयपुर >> सोमवार, 28 मार्च, 2022

hillviewsamachar@gmail.com

विश्व धरोहर परकोटे की हवेलियों में दीमक की तरह फैल रहे हैं अवैध निर्माण

एक तरफ राज्यपाल कलराज मिश्र स्मारकों को विश्व धरोहर में जुड़वाने की बात करते हैं और परकोटे में बढ़ते अवैध निर्माण विश्व धरोहर की सूची से परकोटे को हटाने की क़गार पर है

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। जयपुर कॉलेज (नानाजी की हवेली, चौड़ा रास्ता) के बाद इससे सटी हुई रूपसिंह जी की हवेली भी होगी अब ज़मींदोज़। टूट कर बिख़रती जा रही हैं वैश्विक धरोहरें।

विश्व विरासत यूनेस्को की सूची में अपनी ऐतिहासिक विरासत की छवि के लिए प्रसिद्ध परकोटे में स्थित जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) में अवैध निर्माण पाँचवीं मंज़िल चढ़ चुका है और तो और आसपास की हवेलियों को भी इस निर्माण में शामिल करने की कवायद शुरू हो गयी है। जयपुर कॉलेज से सटी रूपसिंह जी की हवेली भी अब जयपुर कॉलेज में शामिल करने के लिए नवनिर्माण की भेंट चढ़ जाएगी।

जयपुर की विश्व विरासती छवि को भी ग्रहण लगातार लग रहा है लेकिन स्वायत्त शासन, नगर निगम, मंत्री अधिकारी सब चैन की नींद सोए हैं।

इसी दुस्साहस के चलते अन्य भूमाफ़ियाओं को लगातार बल मिल रहा है ऐसे में अवैध निर्माणों की गति दोगुनी हो गयी है। लगातार भ्रष्टाचार दबंगता और तानाशाही शासन प्रशासन के चलते इस निर्माण का सच क्या है कि आमजन, मीडिया द्वारा घोर विरोध होने पर भी यह अवैध निर्माण निरन्तर चालू है?

जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली, गोपाल जी का रास्ता (चौड़ा रास्ता) का लगातार मंज़िल दर मंज़िल चढ़ता अवैध निर्माण हो या राजापार्क या एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी मानसरोवर या मालवीय नगर के आवासीय क्षेत्र में बढ़ती बहुमंज़िला भवन और कॉम्प्लेक्स। यहाँ बढ़ते-चढ़ते यह अवैध निर्माण,यहाँ के निवासियों का सुख-चैन तो छीन ही रहे हैं और तो और समूचा शहर भूमाफियाओं और अतिक्रमणकारियों के नापाक इरादों की भेंट चढ़ रहा है।

इन रिहायशी और पॉश कॉलोनियों में से गुज़रना मुश्किल हो गया है। गली-गली में बाज़ार और वाहनों का जमावड़ा तो बढ़ ही गया है साथ ही बढ़ गया है घर से दुकान में तब्दील होते भवनों का अतिक्रमण।

जयपुर कॉलेज (नाना जी हवेली) का वर्तमान फ़ोटो-27.03.2022

जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) 2020 की हवेली का फ़ोटो

बहुमंज़िला भवन बिना निगम अनुमति के सर उठा रहे हैं। प्रशासन और राजनीति के बड़े दिग्गजों का हाथ और साथ पूरे ज़ोर-शोर से सहयोग कर रहा है। जहाँ एक ओर रेवेन्यू का सबसे बड़ा भाग भवन निर्माण, नियमितीकरण आदि से आता है वहीं निगम और स्वायत्त विभाग के नाक के नीचे सारे काम अवैधता के साथ हो रहे हैं। राजधानी में इस जंगल राज का शेर कौन है यह किसी से छुपा नहीं। बिना किसी बड़ी पावर और प्रशासनिक, राजनैतिक अनगल अवैध सहयोग के यह अवैध निर्माण कभी सम्भव नहीं हो सकते।

प्रशासन और शासन की अवैध निर्माणों में लिप्तता व लापरवाही शहर की शांति और सौंदर्य को एक दिन ख़त्म करके ही दम लेगी।

अवधेश मीणा
आयुक्त, नगर निगम (हेरिटेज)

मुनेश गुर्जर
मेयर, नगर निगम (हेरिटेज)

राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना का कोई जवाब नहीं मेयर और आयुक्त हेरिटेज के पास

मनीराम जी की कोठी सहित 143 आवासीय हवेलियों में व्यवसायिक कॉम्प्लेक्सों के अवैध निर्माण के विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर ने ध्वस्तीकरण का आदेश 18 सितंबर 2019 को पारित किया। जिसमें तीन सूचियों में इन 143 अवैध भवनों के नाम पते सहित नगर निगम हेरिटज जयपुर को ध्वस्त करने हेतु पाबंद भी किया गया किंतु पिछले 2 साल 6 माह से उच्च न्यायालय जयपुर के आदेश की अवमानना नगर निगम हेरिटज जयपुर लगातार कर रहा है। डीबी सिविल रिट पिटिशन संख्या 15 318/ 2013 सुओमोटो बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान के माध्यम से अवैध कॉम्प्लेक्सों की सूचियाँ जिनका ध्वस्तीकरण किया जाना था वो पेज़ नंबर 4-5 पर दुबारा प्रकाशित की जा रही है। ताकि सरकार की नींद खुल सके। स्वायत्त शासन हो या प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही

लगातार संपर्क करने के बावजूद निगम व स्वायत्त शासन मंत्री एवं अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। राजस्थान उच्च न्यायालय की अवमानना करने का मुनेश गुर्ज़र मेयर व आयुक्त अवधेश मीणा को कोई ख़ौफ़ नहीं। न ही उनके पास कोई जवाब है इस मुद्दे का।

पेज़ न. 4 व 5 पर ध्वस्तीकरण हेतु आदेशित अवैध कॉम्प्लेक्सों की सूची...

मनीराम जी की कोठी

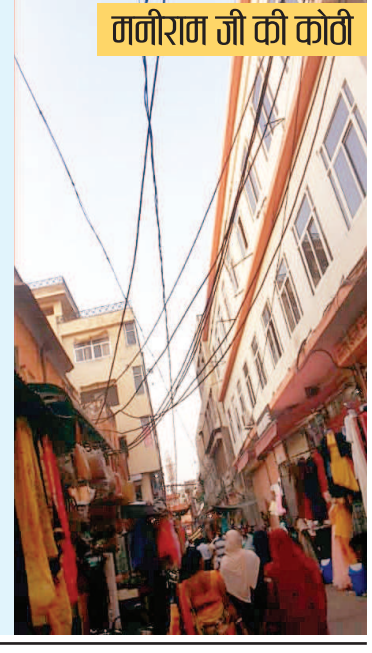

20-20 क्रिकेट मैच के दो मैचों में मेन ऑफ दी मैच रहे आईपीएस पंकज चौधरी

विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी ने प्रदान की ट्रॉफी

जयपुर। आईएएस, आईपीएस, आईएफएस इलेवन ने आरसीए इलेवन को हराने के बाद फाइनल मैच में विधायकों को क्रिकेट मैदान में पछाड़ा। टीम की ओर से रवि जैन IAS, विष्णु मालिक IAS, एमएन दिनेश IPS, डॉक्टर रवि IPS , IFS विजय कुमार , शिवकांत नक़ाते IAS व अन्य अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों ने क्रिकेट मैदान की शोभा बढ़ायी ।

एमएन दिनेश व डॉक्टर रवि ने भी बल्ले से अच्छा योगदान दिया। विजय कुमार व विक्रम ने 3-3 विकेट लिए। पंकज चौधरी ने छक्का मारकर फ़िफ़्टी पूरा किया 28 गेंद पर नाबाद 51 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 131 बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। RCA अध्यक्ष वैभव गहलोत ने पंकज चौधरी को ट्रॉफी प्रदान की।

सिविल सर्विस टीम की और से रवि जैन IAS, विष्णु मालिक IAS, एमएन दिनेश IPS, डॉक्टर रवि IPS, IFS विजय कुमार, शिवप्रसाद नक़ाते IAS, अभिजीत सिंह IPS, अक्षय IFS, विक्रम राठौड़ IPS , विक्रम प्रधान IFS, गौरव अग्रवाल IAS व अखिल भारतीय सेवा के अन्य अधिकारियों ने शिरकत की।

अंतिम दौर के 15-15 के मैच में विधायक इलेवन ने निर्धारित 15 ओवर में 104 रन बनाए। विधायक वेद प्रकाश सोलंकी व खेल मंत्री अशोक चाँदना ने विधायक टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया। अशोक चाँदना ने एक बार तो मैच पूरी तरह से विधायकों की ओर मोड़ दिया था पर सिविल सर्विस के ओपनर बल्लेबाज़ पंकज चौधरी की शानदार बल्लेबाज़ी से विधायक इलेवन पार नहीं पा सकी और मैच हार गयी। पंकज चौधरी ने फ़ाइनल मैच में टूर्नामेंट का सबसे लंबा छक्का मारा और एक गगनचुंबी छक्के और 8 क्लासिकल चोकों की मदद से 49 रन बनाए। गौरव अग्रवाल IAS ने 29 रन का योगदान दिया और एमएन दिनेश ने दो विकेट लिए।मैच समापन के इस दौर में विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी जी ने पंकज चौधरी IPS को मैन ऑफ दी मैच ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

सितंबर से फिर चलेगी पैलेस ऑन व्हील ट्रेनः चेयरमैन आरटीडीसी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नई दिल्ली में मंगलवार को आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी कृष्ण रेड्डी, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वी. के. त्रिपाठी और नरेश सालेचा (IARS) वरिष्ठ सदस्य (फाइनेंस) रेलवे बोर्ड से मुलाकात की। बैठक के बाद राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के 'मावली- मारवाड़ मीटर गेट सेक्शन' पर कामलीघाट से फूलाद के बीच पर्यटन हेतु सफारी ट्रेन चलाने के संदर्भ में एवं राजस्थान पर्यटन विकास निगम की ऐसी परिसंपत्तियों जो भारत सरकार के नाम दर्ज है उनको राजस्थान पर्यटन विकास निगम के नाम दर्ज कराने जैसे अति महत्वपूर्ण विषयों पर वार्ता हुई है।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आज कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए जिनमें पैलेस ऑन व्हील्स को जल्दी ही फिर से शुरू करना,जयपुर में अंतरराष्ट्रीय म्यूजियम, उदयपुर में ट्राइबल म्यूजियम, पुराने विधानसभा भवन में राजस्थान का वैभव दिखाने के फैसले अहम है। राजस्थान में पर्यटन को नई दिशा देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में उनके चैम्बर में बैठक आयोजित हुई जिसमें स्पीकर बिरला ने कहा कि हाल ही में बिहार यात्रा के दौरान उन्होंने पटना में बने म्यूजियम को देखा था, जिसमें कलिंग, मगध तथा अशोक कालीन संपदाओं को बेहद सहेज कर रखा गया है, यह सब चीजें उस समय के गौरव को दर्शाती हैं।

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में स्मारकों को जुड़वाने के लिए हो कार्यः राज्यपाल कलराज मिश्र

विरासत के संरक्षण, सांस्कृतिकजागरूकता के लिए समन्वित प्रयास जरूरी

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के लिए स्मारकों को सूचीबद्ध करने का कार्य प्रभावी रूप में किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बारे में प्रस्ताव तैयार करने के साथ-साथ स्मारकों के संरक्षण और रख-रखाव की साझा दीर्घकालीन नीति पर भी कार्य किया जाए।

राज्यपाल मिश्र 'राजस्थान की समृद्ध विरासत का संरक्षण' विषय पर सोमवार को यहां राजभवन में आयोजित बैठक में सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्यपाल ने जैसलमेर किले के संरक्षण और सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए वहां अतिक्रमण की समस्या के प्रभावी समाधान पर बल दिया। उन्होंने महाराणा प्रताप का राज्यारोहण दिवस मनाने के सुझाव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसा करने से महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के प्रति आमजन का जुड़ाव और बढ़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि ऐतिहासिक एवं प्राचीन स्मारक हमारे अतीत और सांस्कृतिक वैभव के परिचायक हैं और राजस्थान की इस विरासत के संरक्षण के साथ ही इस बारे में सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने योग्य धरोहर स्थलों की दृष्टि से राजस्थान में बहुत संभावनाएं हैं। विश्व धरोहर के रूप में मान्यता मिलने से उस स्थान का प्रभावी संरक्षण तो होता ही है, विश्व पर्यटन मानचित्र पर स्थान बनाने से वहां की अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी बढ़ावा मिलता है।

ख़बर-बेख़बर

सरकार की आँखों में धूल व सरकारी रेवेन्यू, विश्व धरोहरों को मिट्टी में मिला रहे हैं परकोटा हवेलियों में गुपचुप होते अवैध निर्माण

ओझा जी की हवेली हो या नाना जी की हवेली या फिर रूपसिंह जी की हवेली, परकोटा की वैश्विक धरोहर धीरे-धीरे ध्वस्त हो रही है अवैध निर्माणों के हाथों

ओझा जी की हवेली के मालिक शरदइंदुनाथ झा पुत्र चन्द्रनाथ झा ने नगर निगम जयपुर द्वारा 25 फरवरी 2014 को दी गयी निर्माण स्वीकृति के सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ कर निर्माण स्वीकृति की समयावधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 7 वर्ष कर दी और तो और ओवर राइटिंग कर फ़र्ज़ी सील लगाकर उसे वास्तविक दस्तावेज़ के रूप में किशनपोल ज़ोन उपायुक्त हंसा मीणा के समक्ष प्रस्तुत भी कर दिया गया। सरकारी आँखों में धूल झोंकने का दुस्साहस कैसे आया शरद इंदुनाथ झा पुत्र चन्द्रनाथ झा में। एक प्रशासनिक अधिकारी का हाथ उनके सर पर है जिनका नाम आगामी अंकों में सत्यता के प्रमाण के साथ प्रकाशित किया जाएगा।

ओझा जी की हवेली के फर्जी व वास्तविक दस्तावेज एक निग़ाह में...

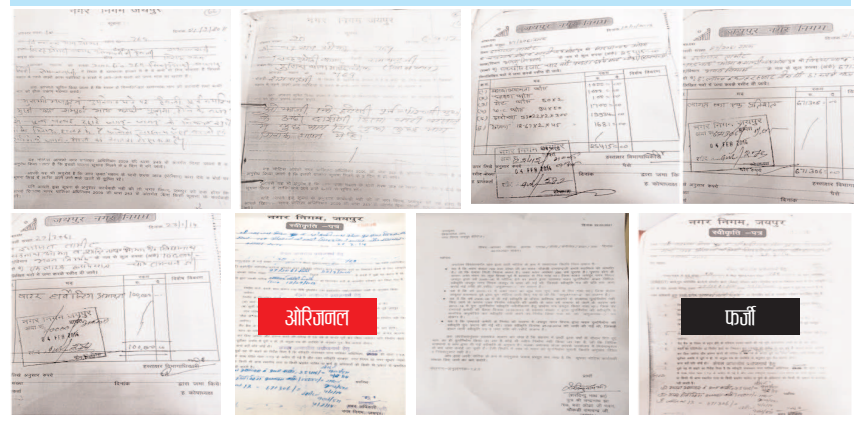

मामला यूँ है कि...

- भवन संख्या 769 सिरह ड्योढ़ी बाज़ार, ओझा जी की हवेली के मालिक चन्द्रभान ओझा को सम्बोधित कर नगर निगम ने 21 सितंबर 2011 को नोटिस डिस्पेच रजिस्टर में संख्या 10 में दर्ज कर एक नोटिस जारी किया जिसमें लिखा गया कि -

उपरोक्त पते पर हवेली पूर्व पश्चिम मुखी का संपूर्ण भाग काफी पुराना होने के नज़र से चूना पत्थर दरारे जगह-जगह से निकल रहे हैं जो कि गिराऊ हालत में है जिससे आस पड़ोस वालों एवं आने जाने वाले की जान माल को खतरा हो सकता है। अतः यह नोटिस आपको नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 243 के अंतर्गत दिया जाता है व अनुरोध किया जाता है कि इसकी मरम्मत सूचना मिलने के 2 दिन में की जाए। लेकिन भवन मालिकों द्वारा कोई भी मरम्मत कार्य इस नोटिस के पश्चात नहीं किया गया।

- नगर निगम जयपुर ने पुनः 06 सितंबर 2012 को इसी पते पर मालिक चन्द्रभान को नोटिस डिस्पेच रजिस्टर में संख्या 20 पर दर्ज कर नोटिस जारी किया जिसमें लिखा गया कि-
- ओझा जी की हवेली पूर्व पश्चिम मुखी के अंदर दक्षिणी हिस्सा भारी बरसात में कुछ भाग चुका है और कुछ भाग गिराऊ हालत में है अतः नोटिस नगरपालिका अधिनियम 2009 की 243 के अंतर्गत दिया जाता है कि भवन मालिक इसे 2 दिन में पुनः मरम्मत करवाएँ और संबंधित बोर्ड को सूचना अवश्य लिखे।। लेकिन भवन मालिकों ने उपरोक्त नोटिस की भी अवज्ञा की।
- इसके पश्चात 12 नवंबर 2013 को भवन मालिक चन्द्रनाथ ओझा व शांतिनाथ ओझा पुत्र विद्यानाथ ओझा ने जयपुर नगर निगम में पत्रावली संख्या 27/2061 सरण के तहत मलबा,छाजण, गेट,डब्ल्यू सी,झरोखा, छज्जा की अमानती राशि पच्चीस हज़ार चार सौ पंद्रह रुपये रसीद संख्या 9002/571 व छः लाख इकहत्तर हज़ार तीन सौ पाँच मरम्मत लागत अनुसार एक प्रतिशत राशि रसीद संख्या 9002/ 573 व वाटर हार्वेस्टिंग राशि एक लाख रुपये रसीद संख्या 9002/ 572 पर जमा करवाये।
- इस पर नगर निगम की एम्पावर्ड कमेटी के निर्णय 18 सितंबर 2013 के तहत 25.2.2014 को केवल आवासीय प्रयोजनार्थ ओझा जी की हवेली को आवश्यक नियम निर्देश का हवाला देते हुए निर्माण स्वीकृति प्रदान की गई।
- लेकिन 2014 से 2021यानी 7 वर्ष तक कोई भी मरम्मत या निर्माण कार्य उक्त हवेली में हवेली मालिकों द्वारा नहीं करवाया गया।
- 2021 में किशनपोल जोन उपायुक्त द्वारा नोटिस क्रमांक एफ52/डीसी/केपीजेड/2021/308 22.03.21 के तहत हवेली मालिकों को पुनः नोटिस जारी किया गया। जिसमें निर्माण हेतु स्वीकृति न लेने व अवैध निर्माण करने का हवाला देते हुए पुनः निर्माण स्वीकृति लेने का आदेश दिया गया।
- इस पर शरद इंदुनाथ झा पुत्र चन्द्रनाथ झा ने उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम हेरीटेज को 22.03.2021 को स्पष्टीकरण पत्र लिखा जिसमें उन्होंने वर्तमान निर्माण को नियमानुसार होना बताया और इसके साथ 7 वर्ष पुराने स्वीकृति पत्र संलग्न किये।
- संलग्न स्वीकृति पत्र की समयावधि एक वर्ष बाद यानी 25.02.2015 में ही नियमानुसार ख़त्म हो गयी थी क्योंकि कोई भी स्वीकृति की समयावधि एक वर्ष तक ही मान्य रहती है। इस समय के बाद आवेदक को पुनः आवेदन करना अनिवार्य है और राशि भी पुनः जमा करवाई जाना अनिवार्य होता है।
- लेकिन ओझा जी की हवेली मालिकों ने नगर निगम द्वारा दिए गए स्वीकृति सम्बंधित सरकारी दस्तावेज़ों में ओवर राइटिंग कर,काट-छाँट कर दस्तावेज नगर निगम जयपुर में प्रस्तुत कर दिए।
- जिसमें 25 फरवरी 2014 को दी गयी निर्माण स्वीकृति की समयावधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 7 वर्ष कर दी गयी और और तो और ओवर राइटिंग कर फ़र्ज़ी सील लगाकर उसे वास्तविक दस्तावेज़ के रूप में किशनपोल ज़ोन उपायुक्त हंसा मीणा के समक्ष प्रस्तुत भी कर दिया।
- सरकारी अधिकारी को सरकारी कागज़ों के साथ छेड़छाड़ कर,कांटछांट कर गुमराह करना 420 के अपराध में आता है और इसके अतिरिक्त 463 व 471 की कार्यवाही ओझा जी की हवेली मालिकों के ख़िलाफ़ बनती है।
- इस सम्बन्ध में प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही की टिप्पणी हेतु किशनपोल डीसी से लगातार सरकारी अवकाशों के कारण संपर्क नहीं हो सका और अग्रीम कार्यवाही का विवरण नहीं लिया जा सका।
- आगामी अंक में किशनपोल जोन द्वारा की गई कार्यवाही का व आगामी कार्यवाही का विवरण दिया जा सकेगा।

ओझा जी की हवेली

पूरे शहर में यही हाल है। कहीं शासन लिप्त हैं कहीं प्रशासन या तो मौन मूक सहमति है या दबंगता के साथ तानाशाही का चरम छू रही है यह अवैध निर्माणों की गतिविधियाँ। विश्व विरासत की धरोहर ये हवेलियाँ लगातार हथौड़ों की मार से ज़मींदोज़ हो रहीं हैं और इनके स्थान पर खड़े हो रहे हैं आलीशान होटल या कॉम्प्लेक्स। यह अवैध निर्माण आवासीय क्षेत्रों में व्यवसायिक गतिविधियों को तो लगातार बढ़ा ही रहे हैं बल्कि सरकार को रेवेन्यू का चूना भी लगा रहे हैं और उस क्षेत्र में रह रहे लोगों का सरदर्द बन गए हैं। दिनभर जाम,वाहनों जमावड़ा और अनर्गल गतिविधियाँ इन रिहायशी क्षेत्रों की शांति भंग कर रही हैं।

संपादकीय

रूस-यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के दौरान यूक्रेन से लौटे छात्रों के भविष्य का सवाल

कर्नाटक का युवक नवीन शेखरप्पा मेडिकल की पढ़ाई करने यूक्रेन गए थे। रूस-यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के दौरान एक दिन जब वह खाने का सामान खरीदने की लाइन में लगे थे, ठीक उसी समय रूसी सेना की गोलाबारी में उनकी मौत हो गई। शोक में गमगीन नवीन के परिवार के लिए हर सांत्वना बेहद छोटी है, लेकिन तमाम सवाल आज उन हजारों युवाओं के सामने हैं जिन्हें भारत सरकार न केवल संकटग्रस्ट यूक्रेन से हाल में लौटा लाई है। बल्कि उससे भी पहले दशकों तक दूसरी कई वजहों से इराक, सऊदी अरब, यमन, लीबिया आदि देशों से लौटते रहे युवाओं के हैं, सुरक्षित वतन वापसी के बाद जिनकी खोज-खबर लिए जाने का कोई इतिहास नहीं मिलता है। अभी की चिंताओं में शामिल यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों की शेष पढ़ाई को किसी तरह पूरी कराने का कोई सरकारी प्रबंध कितना कारगर होगा, यह भविष्य में पता चलेगा, परंतु इससे पहले तो वतन लौटे हजारों लोगों की खैर-खबर का प्राय– कोई लेखा-जोखा तक नहीं मिलता है।

फांस बेहतर जीवन की चाह की – हम कह सकते हैं कि स्वाधीनता के 75 वर्षों में हमारे देश ने कई बड़ी त्रासदियों का सामना किया है। लेकिन भारत दुनिया का अकेला देश नहीं है, जिसे विकास के क्रम में असंख्य सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना किया है। पढ़ाई, रोजगार और बेहतर जीवन की चाह में अपनी जमीन से दूर एक अलग देश में अलहदा भाषा-संस्कृति के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश भी कई तकलीफदेह नतीजों के साथ खत्म हुई है। इस सिलसिले का एक पूरा इतिहास है जिसकी ताजा कड़ी युद्धग्रस्त यूक्रेन से लगभग 20 हजार भारतीय मेडिकल छात्रों को 10 मार्च

2022 को समाप्त घोषित किए गए आपरेशन गंगा के माध्यम से स्वदेश लौटा लाने की है। इन हजारों छात्रों ने भारत के मेडिकल शिक्षण संस्थानों में दाखिला नहीं मिलने की सूरत में ही यूक्रेन, रूस, आस्ट्रेलिया आदि देशों की राह पकड़ी थी। अब तक वे सारी वजहें साफ हो चुकी हैं जिन्हें रहते देश से हजारों युवाओं को तमाम विधाओं में उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए विदेश का रुख करना पड़ता है।

बेहतर जिंदगी की चाह – पढ़ाई के अलावा बेहतर रहन-सहन वाली जिंदगी की चाह और खासकर रोजगार के लिए हजारों कुशल और अकुशल (स्किल्ड और नान स्किल्ड) लोग भी हर साल कोई न कोई जुगाड़ बिठाकर खाड़ी देशों के अलावा अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया समेत कई अन्य यूरोपीय देशों की राह पकड़ते रहे हैं। इन्हीं में से कुछ प्रतिशत कामयाब हुए लोगों की कहानी जब हमारे देश में लौटकर आती है, तो उनकी बेहतरीन जिंदगी किसी किंवदंती की तरह हमारा मन मोहने लगती है।

ऐसे में बहुत से दूसरे लोग भी अपने सपने साकार करने के लिए विदेश कूच का जतन करने लगते हैं। लेकिन पढ़ाई से लेकर रोजगार तक के लिए विदेश जाना एक बात है, वहां कोई समस्या पैदा होने पर उससे जूझना-निपटना दूसरी बात। ऐसे ज्यादातर मामलों में विदेश गए लोगों के लिए किसी भी तरह से वतन-वापसी करना ही सबसे अच्छा विकल्प होता है। खासकर उच्च शिक्षा के वास्ते पढ़ाई या ट्रेनिंग के लिए विदेश गए युवाओं के मामले में। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कोई समस्या पैदा होने पर छात्रों के लिए वहां कोई आधारभूत ढांचा नहीं होता है जो उनके पांव विदेश में टिकाए रख सके।

पुनर्वास का अधूरा संकल्प : यूक्रेन से भारत वापस लाए गए 15 से 18 हजार मेडिकल छात्रों को हम इस मायने में खुश- किस्मत मान सकते हैं कि भारत सरकार उनकी अधूरी रह गई पढ़ाई को पूरी कराने के विकल्प खोज रही है। यानी उन्हें युद्ध के बीच से सुरक्षित निकालने और लौटा लाने की अहम जिम्मेदारी निबाहने के साथ ही सरकार ने अपने कर्तव्य की इति नहीं कर ली। बल्कि इससे आगे बढ़कर प्रयास है कि इन छात्रों की अधूरी पढ़ाई को संपन्न कराया जाए। इसके लिए सरकार की तरफ से फारेन मेडिकल ग्रेजुएट लाइसेंसिंग रेगुलेशन (एफएमजीई) एक्ट-2021 में बदलाव की बात कही जा रही है। इस कानून के तहत किसी भी विदेशी मेडिकल कालेज के छात्र को भारत में बतौर डाक्टर काम करने (मेडिकल प्रैक्टिसिंग) के लिए स्थायी पंजीकरण की आवश्यकता होती है। स्थायी पंजीकरण की अनिवार्य शर्त यह है कि छात्र ने विदेश में न्यूनतम 54 महीनों की शिक्षा और एक साल की इंटर्नशिप पूरी की हो। इसके बाद छात्र एफएमजीई परीक्षा को उत्तीर्ण कर भारत में प्रैक्टिसिंग के लिए स्थायी पंजीकरण प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा यदि यूक्रेन के हालात सामान्य नहीं हुए तो वापस लाए गए छात्रों की बची पढ़ाई देश के ही किसी विश्वविद्यालय या किसी अन्य विदेशी संस्थान में दाखिला दिलाकर पूरी कराई जा सकती है। बेशक यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के अधर में लटके भविष्य को ऐसी नीतियों से काफी लाभ हो सकता है, लेकिन क्या यही कायदा विदेश में दूसरी पढ़ाई या रोजगार के संबंध में नहीं अपनाया जाना चाहिए। असल में, यूक्रेन का ताजा मसला इन समस्याओं की एक छोटी सी बानगी है। हालिया अतीत में ही कई ऐसे मामले हुए हैं, जहां विदेश में कोई संकट पैदा होने पर सारी सक्रियता भारतीयों को स्वदेश लाने तक सीमित रही है। आपात स्थिति में विदेश में अपनी नौकरी, रोजगार, जमापूंजी यानी सब कुछ छोड़कर आनन-फानन स्वदेश लौटे सैकड़ों- हजारों भारतीयों के बारे में ज्यादातर यही जानकारी सार्वजनिक हुई है कि उन्हें भारत सरकार की बेमिसाल कोशिशों के बल पर सुरक्षित निकाल लाया गया। लेकिन भारत लौटने पर उनके पुनर्वास यानी उनकी जिंदगी को सिरे चढ़ाने के बारे में क्या हुआ, ये सूचनाएं तकरीबन नदारद हैं।

शायद यही वजह है कि यूक्रेन में फटती मिसाइलों

जल ही जीवन का आधार

इं सान मंगल ग्रह पर तो पानी की तलाश कर रहा है पर धरती पर बढ़ते संकट को इग्नोर कर रहा है. ऐसे में हमें अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए जागरूक होना होगा, वरना ये समस्या और भयावह रूप ले सकती है.

उद्देश्य

दुनिया को पानी बचाना कितना जरूरी है, ये हमारा मूलभूत संसाधन है, इससे कई काम संचालित होते हैं और इसकी कमी से ज्यातार क्रिया-कलाप ठप हो सकते हैं. अस्तित्व पर संकट गहरा सकता है.

2022 की थीम

हर साल विश्व जल दिवस की एक थीम के साथ मनाया जाता है. इस साल की थीम 'भूजल', छिपे हुए जल संसाधन की ओर ध्यान आकर्षित करता है जो हमेशा महत्वपूर्ण रहा है लेकिन सतत विकास नीति निर्माण में पूरी तरह से यह मान्यता प्राप्त नहीं है.

सभ्यताओं के जन्म के साथ ही मनुष्य द्वारा जल को महत्व दिए जाने में कमी आने लगी. प्रथम दार्शनिक कहे जाने वाले थेल्स ने सैकड़ों वर्ष पूर्व कहा था कि जल ही समस्त भौतिक वस्तुओं का कारण और समस्त प्राणी जीवन का आधार है, परंतु अफसोस के साथ कहना होगा कि भारत समेत पूरी दुनिया तब से अब तक इस अमूल्य धरोहर को सहेजने में विफल रही है. इसी वजह से हर साल विश्व जल दिवस मनाया जाता है.

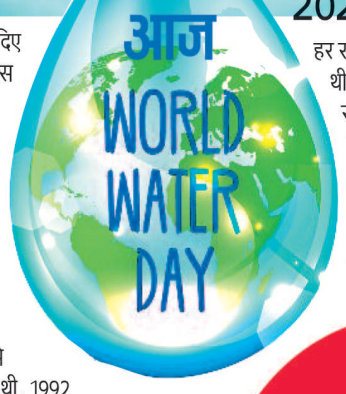

कब से हुई शुरुआत

दुनिया को पानी की जरूरत से अवगत कराने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र ने 'विश्व जल दिवस' मनाने की शुरुआत की थी. 1992 में रियो डि जेनेरियो में आयोजित पर्यावरण तथा विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCED) में विश्व जल दिवस को मनाने की शुरुआत की गई थी, जिसका आयोजन पहली बार 1993 में 22 मार्च को हुआ था.

ऐसे कर सकते हैं पानी की बचत

आपको मालूम होगा कि हमारी पृथ्वी के 70 प्रतिशत क्षेत्र में पानी है, लेकिन उनमें से महज 3 प्रतिशत पानी ही स्वच्छ है, जो इंसानों के इस्तेमाल के लायक है. एक रिसर्च के अनुसार, 4 सदस्यों वाली फैमिली 450 लीटर (120 गैलन) पानी यूज करती है. एक साल में यह आंकड़ा 1,64,000 लीटर (44,000 गैलन) तक होता है. भविष्य को देखते हुए हमें जल संरक्षण की जरूरत है. आज वर्ल्ड वॉटर डे है तो आज हम जानेंगे पानी के किफायती इस्तेमाल और उसे बचाने से जुड़े अहम टिप्स के बारे में...

बाथरूम में वॉटर कंजर्वेशन

- सस्ते और कम बहाव वाले फव्वारे व नल लगवाएं, कम बहाव वाले उपकरण सस्ते होते हैं, इनका इस्तेमाल करना चाहिए.
- छोटा शावर बाथ लें.
- एक टाइमर, घड़ी या स्टॉप वॉच अपने साथ बाथरूम में ले जाएं और कम समय में नहाने का चैलेंज लें. शावर में नहाने से 100 लीटर का एक-तिहाई से भी कम पानी का प्रयोग होता है.

कपड़े धोने के दौरान और किचन में

- पुराने तरीके की टॉप लोडिंग मशीन हर धुलाई पर 40-50 गैलन पानी इस्तेमाल करती है और एक सामान्य 4 सदस्य परिवार साल में 300 बार कपड़े धोता है. उच्च क्षमता मशीन, स्पेशली फ्रंट लोडिंग मशीन हर लोड के लिए 15-30 गैलन पानी यूज करती है.
- बर्तन धोने से पहले साफ करें. चिपके खाने के बड़े टुकड़ों को खरोंच कर कूड़ेदान में डालें.
- अगर आपके बर्तन प्री-रिन्स के बिना साफ नहीं होते, तो सुनिश्चित कीजिए कि आपने मशीन में बर्तन ठीक तरह लगाए हैं या नहीं.

गार्डनिंग

- अपने गार्डन में केवल उन्हीं एरिया में पानी दें, जहां जरूरत है और अगर लंबे समय से बारिश न हुई हो तो ही बाग में पानी दें.
- बाग-बगीचों को रात में पानी दें. रात को पानी देने से मिट्टी को भीगने के लिए ज्यादा समय मिलता है और दिन की गरमी न होने के कारण वाष्पीकरण नहीं होता है.
- ट्रिगर पाइप यूज करें या हजारा इस्तेमाल करके पानी बचाएं. आप बारिश के पानी को संग्रहित करके उसे पौधे और बाग-बगीचों में डालने के लिए इस्तेमाल करें.

तारीफ से बच्चों को मिलती है एनर्जी

हर किसी को अपनी तारीफ सुनना पसंद होता है, चाहे वे बड़े हों या छोटे. किसी के आत्मविश्वास को बढ़ाना है तो तारीफ करना कफी हद तक सहायक है, खासकर बच्चों के लिए. किसी काम को लेकर जब माता-पिता बच्चे की तारीफ करते हैं तो बच्चों में इस काम को और बेहतर करने की इच्छा जगती है, जो उनके बेहतर विकास के लिए सहायक है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप बच्चे की जरूरत से ज्यादा तारीफ करें या उसके गलत काम को अनदेखा करें. यहां ऐसे ही कुछ सुझाव बताए जा रहे हैं जिनकी मदद से पैरेंट्स अपने बच्चे की संतुलित तारीफ कर सकते हैं.

करें प्रोत्साहित

माता-पिता को हमेशा बच्चों को किसी अच्छे काम के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए. उनके द्वारा कहे गए प्रोत्साहन भरे शब्द बच्चों में और ऊर्जा भरते हैं और वे किसी भी काम को बिना डरे और घबराए प्रभावी तरीके से करते हैं.

सकारात्मक प्रशंसा

माता-पिता बच्चे की तारीफ करते समय यह समझ नहीं पाते कि वह किस तरह से उनकी प्रशंसा कर रहे हैं और उसका बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ेगा. पैरेंट्स को हमेशा बच्चे की सकारात्मक प्रशंसा करनी चाहिए जैसे- बच्चा किसी खिलौने को या साइकल को बिना खराब किए उससे खेलता है या चलाता है, ऐसी स्थिति में माता-पिता को यह कहना चाहिए कि खिलौने के साथ अच्छे से खेलने के लिए मुझे आप पर गर्व है.

बच्चों को दें सरप्राइज

सरप्राइज और गिफ्ट्स किसे नहीं पसंद! बच्चे खासकर इसकी इच्छा रखते हैं. माता-पिता को चाहिए कि जब भी बच्चा कोई अच्छा काम करे तो वे उसे गिफ्ट दें. बच्चों को अगर उनका मनपसंद खिलौना, चॉकलेट या फिर किसी पिकनिक स्पॉट पर घुमाने ले जाएंगे तो वे बहुत खुश होते हैं.

उपलब्धि नहीं, प्रयास की करें तारीफ

पैरेंट्स बच्चे की तारीफ करते समय हमेशा ध्यान रखें कि वे उनके प्रयास की प्रशंसा करें, उपलब्धि की नहीं. जैसे बच्चा कोई कॉम्पिटीशन जीतता है तो उनके द्वारा हासिल किए गए पुरस्कार पर गर्व करने की जगह उसके द्वारा किए गए प्रयास पर उसे प्राउड फील कराएं. इससे बच्चे में यह समझ विकसित होगी कि परिणाम से ज्यादा प्रयास का महत्व होता है.

पैसे के लेन-देन में महिलाओं की एंट्री

जोखिमपूर्ण शानदार

अगर आप घर बैठे बिजनेस करना या घर के लिए लोन लेना चाहती हैं तो आपकी अपनी क्रेडिट हिस्ट्री बनानी चाहिए. आमतौर पर महिलाएं वित्तीय मामलों से जुड़े फैसले परिवार के पुरुषों पर छोड़ देती हैं. चाहे वे कामकाजी हों या फिर गृहिणी. जहां भी पैसों के लेनदेन, लोन आदि की बातें आती हैं, वे इससे जुड़े फैसले लेने से कतराती हैं. लेकिन आज के समय में यह बेहद जरूरी हो गया है कि हर महिला वित्तीय मामलों के बारे में जाने.

समझें क्रेडिट स्कोर को

क्रेडिट स्कोर 300-900 के बीच एक संख्यात्मक मूल्य है जो किसी व्यक्ति की फाइनेंशियल हिस्ट्री बताता है. इसके तहत कितने खाते खुले, लोन, क्रेडिट कार्ड, बिल और भुगतान समय पर किया या नहीं आदि आपके क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करते हैं. सामान्य भाषा में बात करें तो क्रेडिट स्कोर आपकी विश्वसनीयता व आपके आर्थिक लेन-देन की साख का पैमाना है. इससे बैंक आपके लोन की एलिजिबिलिटी तय करते हैं.

गृहिणी हैं, फिर भी जरूरी क्यों?

अक्सर गृहिणियों के मन में यह सवाल जरूर आता है कि मैं कमाती नहीं हूं, फिर मेरे लिए क्रेडिट हिस्ट्री क्यों जरूरी है? जबकि क्रेडिट हिस्ट्री सभी को बनानी चाहिए. आपको आज किसी भी तरह के लोन की आवश्यकता न हो, लेकिन हो सकता है कि अगले 10 वर्ष में आपको लोन या क्रेडिट कार्ड की आवश्यकता पड़े. जब आप बैंक के पास जाएंगी तो आपकी क्रेडिट हिस्ट्री से ही बैंक तय करेगा. अब होम लोन में छूट की वजह से महिलाएं यह लोन अधिक लेती हैं, इसलिए भी आपको क्रेडिट हिस्ट्री बनानी चाहिए.

कमाती नहीं तो कैसे बनाएं

भले ही आप कमाती नहीं हैं लेकिन फिर भी आप अपनी क्रेडिट हिस्ट्री बना सकती हैं. छोटे-मोटे क्रेडिट कार्ड लें और समय पर पेमेंट करें. इससे आपकी क्रेडिट हिस्ट्री तैयार होगी.

सोचें इसे बेहतर बनाने के बारे में

अगर आप कामकाजी हैं, कोई एंटरप्रेन्योर हैं या फिर वर्किंग हैं तो आप अपने क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाने के बारे में सोचें. अपने घर या गाड़ी की मासिक किस्त या अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समयानुसार भरने में ही समझदारी है. क्रेडिट कार्ड की सिर्फ न्यूनतम राशि ही नहीं, बल्कि पूरी राशि का भुगतान आखिरी तारीख से पहले ही कर दें. इसके अलावा अपने रोजमर्रा की जरूरतों के लिए क्रेडिट कार्ड के बजाय डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करें.

'लो-राइज जींस' का लौटा ज़माना

मिलेनियल्स और टीनएजर्स के लिए फिर से लो-राइज जींस के फैशन ने वापसी की है. इस फैशन को लोग ऑनलाइन तलाश रहे हैं. करीब दो दशक पहले इसे कॉलेज छात्राएं पसंद करती थीं. अब भी आप इससे पूरे आत्मविश्वास के साथ पहन सकती हैं, लेकिन इसका चयन करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें.

- अगर आपकी हाइट कम है तो लो-राइज जींस न पहनें. कम हाइट में हाईराइज जींस ही परफेक्ट होती है.
- पेट पर यदि फैट अधिक है तो भी लो-राइज जींस न पहनें. हमेशा मिड वेस्ट और हाई वेस्ट जींस ही चुनें.
- जींस का रंग आप मौसम के हिसाब से भी चुन सकती हैं, जैसे गर्मियों के लिए सफेद, ऑफ वाइट अच्छा विकल्प है.

खुद के साथ भी कीजिए अच्छा व्यवहार

हमें दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए लेकिन सचमुच का सुकून चाहिए तो खुद के साथ भी अच्छा व्यवहार करना जरूरी है. खुद को हमेशा कोसते व डांटते रहने और अपराधबोध से घिरे रहने पर खुशी हमसे दूर रहेगी.

निगेटिव अप्रोच से बचें

खुद के प्रति निगेटिव अप्रोच नुकसानदायक होता है, इसलिए इससे बचें. अपने आपको कमतर समझना या दूसरों से पीछे समझना आपके समूचे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है.

खुद को महत्व दें

जब आप अपराधबोध से घिरते हैं तो आपकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है. इससे आत्मविश्वास भी कम होता है, अवसाद बढ़ता है. अतः खुद को महत्व दें.

दबाव में न आएं

हम सोशल मीडिया के प्रेशर में आकर खुद को कमतर समझने लगते हैं या अपनी अवास्तविक छवि गढ़कर खुद को बड़ा बना लेते हैं. फिर नॉर्मल चीजें पसंद नहीं आतीं.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

03

जयपुर >> सोमवार, 28 मार्च, 2022

अलवर जिले के पर्यटन से जुड़े प्रस्तावों पर किया जाएगा विचार: पर्यटन मंत्री

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने मंगलवार को विधान सभा में आश्वस्त किया कि अलवर जिले में पर्यटन स्थल घोषित करने से जुड़े प्रस्ताव प्राप्त होने पर उन पर जरूर विचार किया जाएगा।

सिंह ने प्रश्नकाल के दौरान विधायक मंजीत धर्मपाल चौधरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि वर्तमान में मुण्डावर में अलिबक्श पैनोरमा की तर्ज पर प्राचीन बावडी व अन्य विरासतों को विकसित कर उनका सौन्दर्यकरण करके पर्यटन स्थल बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने कहा कि विभाग में उपलब्ध वित्तीय संसाधनों एवं प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य स्वीकृत किये जाते है। उन्होंने अलवर जिले के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की सूची सदन के पटल पर रखी।

मंदिरों के जीर्णोद्धार संबंधी प्रस्ताव प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी: देवस्थान मंत्री

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने सोमवार को विधान सभा में आश्वस्त किया कि किसी मंदिर की देखभाल के लिए विभाग की सूची में शामिल करने और जीर्णोद्धार से संबंधित प्रस्ताव प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। रावत ने प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे पूरक प्रश्न के जवाब में बताया कि मंदिरों की देखभाल के लिए देवस्थान विभाग की सूची में शामिल करने के लिए उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित की जाती है। जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारी भी शामिल होते हैं। इस समिति की अनुशंसा पर ही मंदिरों को सूची में शामिल किया जाता है। इससे पहले देवस्थान मंत्री ने विधायक सुदिव्या मदेरणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि देवस्थान विभाग द्वारा राजस्थान राज्य व राजस्थान राज्य से बाहर राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार व राजकीय आत्म निर्भर मंदिरों की देखभाल की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष प्रभार वाले कुल 390 मंदिरों की देखभाल विभाग द्वारा की जाती है जिसमें 365 राज्य में और 25 राजस्थान से बाहर स्थित है। साथ ही, राजकीय आत्म निर्भर कुल 203 मंदिरों की देखभाल विभाग द्वारा की जाती है जिसमें 187 राज्य में और 16 राज्य से बाहर स्थित है। उन्होंने इससे संबंधित सूची सदने के पटल पर रखी। रावत ने बताया कि जोधपुर जिले के और मंदिरों को देवस्थान विभाग के अधीन करने का वर्तमान में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

विधानसभा बजट सत्र: पेंशन पर बड़ा ऐलान

अप्रैल से एनपीएस वाले कर्मचारियों के वेतन से 10% कटौती बंद, रिटायरमेंट पर ब्याज़ सहित मिलेगा कटा पैसा

जयपुर। न्यू पेंशन स्कीम (NPS) को खत्म करके ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा के बाद सीएम अशोक गहलोत ने अब 1 अप्रैल से कर्मचारियों के वेतन से कटौती खत्म करने की घोषणा की है। जनवरी 2004 से भर्ती हुए कर्मचारियों के मूल वेतन से हर माह होने वाली 10 फीसदी कटौती को अगले महीने से खत्म कर दिया है। इसके अलावा पहले हुई कटौती को पेंशनर्स मेडिकल फंड की राशि आरजीएचएस में समायोजित करने के बाद बचे हुए पैसे को रिटायरमेंट के वक्त ब्याज सहित देने की घोषणा की है। एप्रोप्रिएशन बिल पर बहस के जवाब में गहलोत ने कहा कि 1 अप्रैल से कर्मचारियों को बढ़ा हुआ पैसा मिलेगा। कटौती खत्म करने से हर कर्मचारी को प्रतिमाह 2000 से लेकर 10 हजार रुपए तक बढ़ा हुआ पैसा मिलेगा। गहलोत ने बजट में 2004 और उसके बाद भर्ती कर्मचारियों पर लागू न्यू पेंशन स्कीम खत्म कर इसी साल से 1 अप्रैल से ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा की थी। न्यू पेंशन स्कीम में कर्मचारी के मूल वेतन से 10 फीसदी पैसा एनपीएस के लिए काटा जाता था, उतना ही पैसा सरकार मिलाती थी।

5.50 लाख कर्मचारी न्यू पेंशन स्कीम में थे, इन्हें मिलेगा अब फायदा: राज्य में न्यू पेंशन स्कीम के तहत सरकारी विभागों में 5 लाख 22 हजार कर्मचारी हैं, इसके अलावा 38000 कर्मचारी ऑटोनोमस बॉडीज में काम कर रहे हैं।

न्यू पेंशन स्कीम के 25 हजार करोड़ बैंक में जमा: न्यू पेंशन स्कीम के तहत कर्मचारियों के वेतन से काटे गए एनपीएस अंशदान और सरकार के योगदान को मिलाकर करीब 25 हजार करोड़ रुपए ट्रस्टी बैंक में जमा हो चुका है। इसमें से 13.24 प्रतिशत राशि शेयर मार्केट और विभिन्न कम्पनियों में लगाई गई है। निवेश की गई इस रकम की मौजूदा वैल्यू 31 हजार करोड़ से ज्यादा है।

नई पेंशन स्कीम में 5 साल में 2441 कर्मचारी रिटायर्ड: 2016 से लेकर मार्च 2022 तक रिटायर होने वाले कर्मचारियों की संख्या 2441 होगी। विधानसभा के सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2021 तक नई पेंशन वाले 1718 कर्मचारी रिटायर हुए हैं, जबकि इस साल मार्च तक 726 कर्मचारी रिटायर होंगे।

एक नजर में अन्य घोषणाएं

- फूड सेफ्टी निदेशालय बनेगा।
- 500 स्कूलों में नए संकाय खुलेंगे।
- बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना लागू होगी, इसमें पूरा खर्च को रिएम्बर्स किया जाएगा।
- 9 से 12 वीं तक की कक्षाओं के लिए 50 करोड़ की लागत से ई लाइब्रेरी।
- 2 लाख बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी।
- शांति व अहिंसा निदेशालय पर 5 करोड़ खर्च होंगे।
- खादी कामगार आर्थिक प्रोत्साहन योजना लागू होगी, 18 करोड़ खर्च होंगे।
- अगले साल से राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता, ग्रामीण ओलिंपिक भी होगा।
- ग्रामीण ओलिंपिक में पदक जीतने वालों को पंचायत स्तर पर संविदा भर्तियों में प्राथमिकता।
- अगले साल 5000 नई राशन की दुकानें खोली जाएंगी।
- स्कूलों में बच्चों को मिड डे मील में ?दो दिन दूध दिया जाएगा। इस पर 500 करोड़ खर्च होंगे।
- शहरों में लिक्विड कचरे से मीथेन गैस बनाने के प्लांट लगेंगे।
- प्रशासन शहरों के संग अभियान में पट्टा मिलने के 3 साल बाद अब जमीन-मकान बेच सकेंगे, पहले 10 साल तक बेचने पर प्रतिबंध था।
- मंडियों पर .5 फीसदी यूजर चार्ज को घटकर .2 फीसदी करने की घोषणा।
- डेयरी संघों को निर्देशित किया जाएगा कि दूध के दाम नहीं बढ़ाए जाएं।
- बारां में डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट लगेगी।
- ईटीटी प्रयोगशालाएं लगेंगी।

बजट घोषणाओं को लागू नहीं करेंगे तो हम बदनाम होंगे, विपक्ष को क्यों चिंता?

गहलोत ने कहा कि विपक्ष बार बार कहता है कि बजट कैसे लागू होगा। आप चिंता क्यों करते हैं? हमारी सरकार की। बजट हम लागू नहीं करेंगे तो बदनाम हम होंगे। विपक्ष क्यों चिंता कर रहा है। आप क्या आगाह करोगे, जब कोई तर्क लगता हो तो आगाह कीजिए। मैंने बजट घोषणाओं पर बैठक ले ली। 100 प्रशासनिक मंजूरियां निकाल दी गई हैं। हमारा वित्तीय प्रबंधन शानदार है। खर्चा हो रहा है, इसका मतलब काम हो रहा है।

कर्ज चुकाने की औकात है, इसलिए ले रहे, औकात से ज्यादा कर्ज की इजाजत नहीं मिलती

गहलोत ने कहा कि बिना भारत सरकार की मंजूरी के बिना आप कर्ज नहीं ले सकते। जीएसडीपी हाई होगी तो कर्ज ज्यादा मिलेगा। आप भार बढ़ने की बात कैसे कह सकते हैं? देश और दुनिया की सरकारें भारी कर्ज लेकर विकास करती हैं। कर्ज उसी लिमिट में लिया जाता है, जिस लिमिट में चुकाने की कैपिसिटी हो, राज्य सरकार उससे ज्यादा ले ही नहीं सकती, इसलिए कर्ज का भार बढ़ने की बात गलत है। कर्ज उतना ही ले सकते हैं जितनी औकात है, हमारी कर्ज चुकाने की औकात है, इसलिए कर्ज ले रहे हैं।

खिलाड़ियों को 40 साल की उम्र के बाद 20 हजार रुपए पेंशन, जयपुर में खुलेगा महिला कोऑपरेटिव बैंक: सीएम अशोक गहलोत ने एप्रोप्रिएशन बिल पर बहस का जवाब देते हुए कई घोषणाएं की हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजना लागू करने का ऐलान किया। इसके तहत खिलाड़ियों को 40 साल की उम्र पूरी करने पर 20 हजार प्रतिमाह की पेंशन दी जाएगी। पेंशन के लिए पात्रता के नियम अलग से जारी किए जाएंगे। महिलाओं को कर्ज देने के लिए जयपुर में अलग से महिला कोऑपरेटिव बैंक खोला जाएगा।

गहलोत बोले- बीजेपी की मार्केटिंग में मास्टरी, हम काम ज्यादा करते हैं, मार्केटिंग कम: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि बजट को धरातल पर उतारा जाएगा। बजट की घोषणाओं को लागू करेंगे। इस पर आशंका जताने की जरूरत नहीं। बजट घोषणाओं की 100 प्रशासनिक स्वीकृतियां निकाल दी हैं। विपक्ष जानबूझकर बोल रहा है कि बजट लागू कैसे होगा? बीजेपी की तो मास्टरी है कि मार्केटिंग शानदार करनी है, चाहे काम कम करो। हम काम में लगे रहते हैं, मार्केटिंग नहीं करते हैं। बजट को लेकर विपक्ष ने सदन के अंदर आंकड़ों के खेल में फंसाकर रखा। बजट लागू नहीं होगा, यह कहकर अलग माहौल बनाने कर प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सच्चाई अलग है।

आप पत्थरों में जान डाल देते हो: अशोक गहलोत ने कहा- नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया को अपना अंदाज बदलना चाहिए। केंद्र ने बेरोजगारी के आंकड़ों को छुपा लिया। बजट बनाने वाले चाहे आपके वक्त हों या हमारे वक्त में अफसर वहीं होते हैं। पूरा भाषण ही विपक्ष अगर आंकड़ों पर दोगे तो कैसे काम चलेगा। आप तो पत्थरों में ही जान डाल लेते हो। ये आंकड़े लाते कहां से हो, आप तुलना करने में भी कलाकारी कर लेते हैं।

कटारिया भावुक होकर बोलते हैं, बीपी अप डाउन चलती रहती है: गहलोत ने कहा, विपक्ष सदन को गुमराह कर रहा है। फिस्क्ल डैफिसिट को लेकर गलत बयानी की गई। कटारिया की बोलने की अदा ही ऐसी है। कटारिया भावुक होकर बोलते हैं। गहलोत ने कटारिया से कहा, 'आप बीपी कंट्रोल रखकर बोला कीजिए। आप जब भाषण देते हैं तो बीपी अप-डाउन चलता रहता है। आप इस पर कंट्रोल रखिए नहीं तो आपके घर वाले मुझे उलाहना देंगे कि आप इनका ध्यान नहीं रखते।

बीजेपी नेता पीएम मोदी और अमित शाह से मांग करते हुए भी डरते हैं: मुख्यमंत्री ने कहा, 'केंद्र का राज्यों के प्रति रवैया ठीक नहीं है। हमारे हिस्से का केंद्र सरकार से 68 हजार मिलना चाहिए, किन देगी केवल 49 हजार करोड़। केंद्र सरकार केंद्रीय करों में हिस्सा कम कर रही है। राज्यों का, उस पर कोई बोल नहीं रहा। हमारा सहयोग नहीं किया जा रह है।

उन्होंने कहा, मोदी और अमित शाह से मांग करते हुए ही बीजेपी नेता डरते हैं। मोदीजी और अमित शाहजी का पता नहीं क्यों एक भय बैठ गया है कि हक की बात भी नहीं करते। मार्गदर्शक मंडल बन गया वो अलग बात है, लेकिन बाकी नेता मांग ही नहीं करते।

कोई एक नेता हो तो मैं पटा लूं, लेकिन यहां तो कई सीएम दावेदार: सीएम ने कहा कि ईस्टर्न कैनाल को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने में बीजेपी नेता मदद करें । यह 13 जिलों का मामला है। बीजेपी नेता इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाएं अन्यथा अगले चुनावों में 13 जिलों में साफ हो जाओगे। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री भी हमारे राजस्थान के हैं। अब बीजेपी में एक नेता हो तो मैं पटा लूं कि राज्य हित में दिल्ली जाकर पैरवी करनी है, लेकिन यहां तो अनकों नेता हैं। कंद्रीय मंत्री शेखावत साहब, कटारिया साहब, मेघवाल साहब, पूनिया साहब, देवनानी साहब सीएम के दावेदार हैं। और भी कई साहब हैं, जो सीएम के दावेदार हैं, हमारे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला, हमारे ओम माथुर साहब भी सीएम दावेदार हैं। एक नेता हो तो मैं पटा लूं कि साथ चलो, लेकिन बीजेपी में तो अनेकों नेता हैं।

आरटीडीसी चेयरमैन ने रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन से की मुलाकात

हम हैं गांधी-नेहरू परिवार के गुलाम, जब तक सांस है गुलामी करेंगे: संयम लोढ़ा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार सिरोही विधायक संयम लोढ़ा ने खुद और कांग्रेस नेताओं को गांधी नेहरू परिवार का गुलाम बताया। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार यूनिवर्सिटी संशोधन बिल पर बहस के दौरान संयम लोढ़ा ने कहा, सदन में अभी बीजेपी के विधायक विचार व्यक्त कर रहे थे। इसी दौरान कहा कि ये तो गांधी-नेहरू परिवार के गुलाम हैं। बीच में उठकर लोढ़ा बोले- हां, हम हैं गुलाम। जब तक हमारे शरीर में सांस है, हम गांधी-नेहरू परिवार की गुलामी करेंगे, क्योंकि इस देश का निर्माण गांधी-नेहरू परिवार ने किया है। उधर, विधान सभा शाम करीब साढ़े पांच बजे बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई।

संयम लोढ़ा के इतना कहते ही उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने आपत्ति जताते हुए कहा- हे

गुलामों! यह नई संस्कृति आई है। आपको बधाई हो। गुलामी के लिए। ये गुलाम हैं, आप क्या समाज में संदेश देंगे। गुलाम अपनी बात नहीं कह सकता। यह इन्होंने खुद माना है।

सदन में पक्ष-विपक्ष में इस पर नोकझोंक हुई। बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि इतनी गुलामी करने के बाद भी कांग्रेस ने आपको टिकट नहीं दिया।

इस पर सभापति जेपी चंदेलिया ने हस्तक्षेप कर शांत रहने को कहा। चंदेलिया ने संयम लोढ़ा से टू द पॉइंट बात रखने को कहा। इस पर उपनेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गुलाम अपनी बात नहीं कह सकता, यह इन्होंने खुद माना है।

हाईकोर्ट के बाहर वकीलों ने किया जाम

3 फरवरी से गायब दो नाबालिग बच्चियां नहीं खोज सकी जयपुर पुलिस, बच्ची के पिता ने कहा... पुलिस ने नहीं किया अपना काम

जयपुर। महेश नगर इलाके से 3 फरवरी को लापता हुई दो नाबालिग बच्चियों को जयपुर पुलिस 46 दिन बाद भी नहीं खोज सकी। गुस्साए परिजनों ने हाईकोर्ट के सामने मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। हाईकोर्ट के वकीलों ने मुख्य मार्ग पर टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू किया। इस दौरान पुलिस को वकीलों ने जमकर कोसा। बार एसोसिएशन ने बताया कि सरकार और राजस्थान पुलिस को चेतावनी दी कि अगर इस बीच बच्चियां नहीं मिली तो आंदोलन को उग्र किया जाएगा। जिसके जिम्मेदारी सरकार और डीजीपी राजस्थान की होगी। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस अगर काम करती तो क्या हम वकीलों को सड़क पर बैठने की जरूरत थी। बच्चियों के पिता ने कहा कि डीजीपी को ही 42 दिन बाद पता चला की जयपुर से दो नाबालिग बच्चियां गायब है। घटना के बाद से ही पुलिस मामले पर कोताही बरत रही है। पुलिस को बार-बार बोला तब जाकर टीम को लखनऊ भेजा गया। वहां पर भी किसी भी प्रकार की जांच पुलिस ने नहीं की है। हम लोगों ने ही सीसीटीवी में फुटेज निकाली और पुलिस को दी। हमारे साथ गये पुलिसकर्मी हमें ही बोल रहे की क्या करना आप ही बता दो।

डीजीपी ने किया एसआईटी का गठन: डीजीपी एमएल लाठर ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया है। एडिशनल कमिश्नर जयपुर अजयपाल लांबा के नेतृत्व में 16 सदस्य करेंगे काम, लांभा जयपुर कमिश्नर को हर दिन की प्रगति रिपोर्ट से करेंगे अवगत। डीजीपी ने एटीएस के एडीजी को भी इस मामले में सभी तकनीकि एवं ऑपरेशनल सहयोग उपलब्ध करवाएंगे। लांबा की टीम में डीसीपी साउथ मृदुल कच्छावा, एडिशनल डीसीपी करण शर्मा, एसीपी सोडाला भोपालसिंह भाटी, एसीपी चिरंजी, एसीपी दुर्गाप्रसाद, एसीपी मनोज गुप्ता, सीआई ओम प्रकाश, सज्जनसिंह, खलील अहमद, सुरेन्द्र सिंह,अनिल कुमार मुड, एएसआई राजेश शर्मा, हैड कांस्टेबल महिपाल, होशियार सिंह, कांस्टेबल भीमसिंह, देवराज रहेंगे।

डीजीपी ने कहा की हमारे पुलिसकर्मी का भी बच्चा आज तक नहीं मिला: बच्चियों के पिता अवधेश कुमार पुरोहित ने बताया कि जब उनके पिता डीजीपी से मिले तो डीजीपी ने आश्वासन देने के बदले कहा कि हमारे एक पुलिसकर्मी का भी बच्चा गायब हो गया था। जिसे भी हम लोग आज तक नहीं खोज सके हैं। अवधेश ने बताया कि वह डीजीपी की इस बात को ही नहीं समझ सके की डीजीपी ने यह क्या कहा। डीजीपी इस बात को बताने से क्या बोलना चाह रहे हैं। डीजीपी राजस्थान जब तक धरना स्थल पर आकर वकीलों को जानकारी नहीं देंगे तब तक धरना बंद नहीं होगा।

बिजली चोरों के फायदे के लिए स्कीम लाई राजस्थान सरकार

तीन लाख चोरों को छूट, एक करोड़ 50 लाख ईमानदार यूजर्स को कोई फायदा नहीं

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में करीब 3 लाख बिजली चोरों के लिए स्कीम चलाई है। लेकिन टाइम पर बिल जमा कराने वाले करीब 1 करोड़ 50 लाख ईमानदार यूजर्स के लिए किसी तरह की स्कीम नहीं है। बिजली चोरी पर बनाई गई विजिलेंस चेकिंग रिपोर्ट का सेटलमेंट कर केस निपटाने के लिए एमनेस्टी स्कीम चलाई जा रही है। यह एमनेस्टी स्कीम 31 दिसम्बर, 2021 तक भरी गई वीसीआर के लिए 1 अप्रैल से लागू होगी।

बिजली की चोरी और मिसयूज के मामले पकड़ में आने पर पेंडिंग केसेज को खत्म करने और बिजली उपभोक्ताओं के साथ ही गैर उपभोक्ता यानी बिना कनेक्शन चोरी की बिजली इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए स्कीम लाई गई है। सूत्रों के मुताबिक तीनों बिजली कम्पनियों जयपुर, अजमेर और जोधपुर विद्युत वितरण निगम में 3 लाख से ज्यादा बिजली चोरी के मामले पेंडिंग हैं। जिनमें 700 से 800 करोड़ रुपया बकाया चल रहा है। राजस्थान में कुल बिजली कन्ज्युमर्स की संख्या करीब डेढ़ करोड़ है।

बिजली चोरों को फायदा, ईमानदार उपभोक्ता ठगा महसूस करेंगे: राजस्थान प्रांतीय विद्युत मंडल मजदूर फेडरेशन इंटक के संयुक्त महामंत्री और प्रवक्ता डीडी शर्मा ने बातचीत में कहा सरकार के इस फैसले से एक तरफ बिजली चोरों को बड़ी राहत मिलेगी, उनकी हिम्मत बढ़ेगी। जिससे भविष्य में बिजली चोरी और बढ़ेगी। दूसरी तरफ ईमानदारी से बिल चुकाने वाले कन्ज्युमर्स खुदको ठगा हुआ महसूस करेंगे। बहुत से ऐसे लोगों में भी बिजली चोरी के लिए भविष्य में सोच पैदा हो सकती है। जोकि सरकार और बिजली कम्पनियों के रेवेन्यु के लिए घातक है। बिजली कम्पनियों का घाटा लगातार बढ़ेगा। सरकार को बिजली कम्पनियों को नुकसान पहुंचाने की बजाय खुदका कम्पाउंडिंग चार्ज खत्म करना चाहिए। क्योंकि यह चार्ज सरकारी खजाने में जाता है। सरकार को बिजली चोरों की माफ की गई पूरी राशि का पुनर्भरण (रिफिलिंग) बिजली कम्पनियों को करना चाहिए। ताकि बिगड़ी आर्थिक हालत में बिजली कंपनियों को राहत मिल सके।

बजट घोषणा की पालना में स्कीम चलाई

जयपुर डिस्कॉम के मैनेजिंग डायरेक्टर अजीत कुमार सक्सेना ने बताया कि बजट घोषणा 2022-23 की पालना में डिस्कॉम ने एमनेस्टी स्कीम लागू की है। यह 1 अप्रैल, 2022 से 30 सितम्बर, 2022 तक कुल 6 महीने इफेक्टिव रहेगी। इससे बड़ी संख्या में पेंडिंग विजिलेंस जांच केसों का निपटारा होगा। जयपुर विद्युत वितरण निगम को एडिशनल रेवेन्यु मिलेगा। वीसीआर संबंधी शिकायतें भी खत्म होंगी। उन्होंने बताया विजिलेन्स और ओ एंड एम विंग के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है कि 31 दिसम्बर, 2021 तक की पेंडिंग वीसीआर में केसों का रेवेन्यु तय कर 25 मार्च, 2022 तक कन्ज्युमर्स को नोटिस जारी करेंगे। इसके लिए सब-डिवीजन के एईएन को ऑथोराइज किया गया है। इस एमनेस्टी स्कीम के तहत 1 लाख रुपए तक की पैनल्टी या मिसयूज अमाउंट का 50 फीसदी और पैनल्टी जमा करवाकर केस का निपटारा कर दिया जाएगा। 1 लाख रुपए से ज्यादा पैनल्टी होने पर शुरूआती 1 लाख रुपए का 50 फीसदी यानी 50 हजार रुपए और उससे ऊपर के अमाउंट पर केवल 10 फीसदी पैसा ही जमा कराना होगा। यह पैसा बिना ब्याज की 6 बराबर मंथली किस्तों में जमा कराने का भी प्रोविजन किया गया है। अगर किसी ने 5 लाख रुपए की बिजली चोरी की है, तो उसे 6 महीने में किस्तों में केवल 90 हजार रुपए ही देने होंगे। 10 लाख रुपए की बिजली चोरी मामले में 1 लाख 40 हजार रुपए ही चुकाकर केस खत्म हो जाएगा। केवल जिन केसों में कोर्ट में चालान पेश हो चुका है, उन्हें ही इससे बाहर रखा गया है। अगर किसी व्यक्ति ने बिजली चोरी मामले में केस दर्ज कराया है। तो उसके मुकदमा वापस लेने का शपथ पत्र देने पर भी इस स्कीम का फायदा दिया जाएगा।

रिमाइन्डर-1 राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश व धवस्त किए जाने वाले 143 अवैध भवनों की सूची

HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

D.B. Civil Writ Petition No. 15318/2013

Suo Moto

----Petitioner

Versus

State Of Raj

----Respondent

For Petitioner(s) : Mr. Shobhit Tiwari
Mr. Vimal Choudhary with
Mr. Yogesh Tailor

For Respondent(s) : Mrs. Naina Saraf
Mr. Mahendra Shah
Ms. Anita Aggarwal with
Mr. Laxmikant
Mr. Anil Mehta, AAG
Mr. S.S. Sharma on behalf of
Mr. Mahesh Gupta
Mr. Madhusudan Sharma

HON'BLE THE CHIEF JUSTICE
HON'BLE MR. JUSTICE PRAKASH GUPTA

Order

18/09/2019

1. The Court has considered the submissions of the parties and also considered the affidavit of the Municipal Corporation, Jaipur. This affidavit is filed in compliance with the directions of the previous orders of this Court dated 19.05.2019 and 27.08.2019. This order shall be deemed to be in continuation of the previous orders dated 19.05.2019 and 27.08.2019.

2. The materials on record show that firstly 362 properties were considered by the Committee which recommended inclusion of Jaipur as World Heritage City, and that survey of these properties is yet to be carried out by the Municipal Corporation. As far as the other properties are concerned, the Municipal Corporation has annexed three lists having regard to the survey carried out so far. The first list contains details of 19 properties- which according to the Corporation require complete demolition since they are on public lands and/or are encroachments, or are downright unauthorised constructions. The time-frame indicated by the Corporation for taking complete suitable action in this regard is three months.

3. The second list contains particulars of 12 properties, which according to the Corporation has shown partial illegality. The Corporation's tentative programme for taking action and its completion in regard to the properties in the second list is six months from today.

4. The third list contains 112 properties- which in the opinion of the Corporation show minor deviations/illegalities. According to the Corporation, the action with respect to the properties in the third list would be taken up and completed thereafter in a time-bound programme.

5. The third parties have intervened through an application. They urged the Court not to precipitate action without hearing them.

6. Having regard to the overall circumstances, this Court is of the opinion that 19 properties- which according to the Corporation require immediate demolition as they have been completely constructed contrary to law and/or are encroachments, need to be examined first. To facilitate the process, the Court hereby nominates the Principal Secretary, UDH and the Principal Secretary, Law, Government of Rajasthan. The Municipal Corporation shall within one week from today give specific notices to each of the occupiers of the 19 properties listing particulars of the deviations/illegalities. The notice shall also indicate the address of the Nodal Officer as the person who would receive the representations/replies to the show cause notice.

7. The Committee set up by the Court- headed by the Principal Secretary, UDH, shall prepare a report based upon the verification and examination of the documents and representations filed. The report shall be compiled and filed in the Court within four weeks from today.

8. Each of the lists filed along with the Corporation's affidavit shall be annexed to the present order. Thus, list-I (which contains description of 19 properties shall be Annexure-A/3); list-

II shall be the properties shown at Page-40 of the affidavit; and list-III containing 112 properties is the list shown between page 41 to 45. The order along with these lists shall be uploaded on the Court's Website.

9. The Corporation shall ensure that no building activity takes place in respect of all the properties listed in the three lists annexed to this order. No Civil Court shall pass any injunction order in respect of these constructions.

10. List on 24.10.2019.

(PRAKASH GUPTA),J (S. RAVINDRA BHAT),CJ

KAMLESH KUMAR /s-64

परकोटे क्षेत्र में चिन्हित अवैध भवनो की सूची प्रथम चरण भवन जो पूर्णतः अवैध है।

क्र.सं.	नाम व पता	कार्यवाही करने की समय सीमा
1	ऋषि कुमार फतेहपुरिया मकान नं. 458–59 रामगंज बाजार जयपुर।	तीन माह
2	हरी अग्रवाल 458 आबू हवेली ठाकुर पचेवर का रास्ता घाटगेट	तीन माह
3	शीतल कुमार पुत्र शंकरलाल मकान नं. 190 मुशरफा का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
4	शिवचरण अग्रवाल मकान नं. 196 मुशरफा का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
5	शांतीचंद जरगढ 207 मुशरफा का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
6	बनवारीलाल गुप्ता व अन्य 410 मनीराम जी की कोठी	तीन माह
7	अनिल अग्रवाल 244 सीतापुरा हाउस रिद्धी–सिद्धी काम्पलेक्स	तीन माह
8	रमेशचंद अग्रवाल, कुंजबिहारी 1984 हल्दियो का रास्ता	तीन माह
9	नेमीप्रकाश खण्डाका खण्डाका हवेली 2148 हल्दियो का रास्ता	तीन माह
10	रवि सचेती भवन संख्या 176 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
11	सुनील बक्षी भवन संख्या 175 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
12	कैलाश कुमार अग्रवाल भवन संख्या 153 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
13	मधुसूदन अग्रवाल भवन संख्या 152 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
14	रमेशचंद अग्रवाल पुत्र कुंजबिहारी मं.नं. 436 ठाकूर पचेवर का रास्ता घाटगेट जयपुर।	तीन माह
15	मोहम्मद साजिद मकान नं. 1873–74 पंचायती मस्जिद मोहल्ला महावतान	तीन माह
16	राधा गोविंद काम्पलेक्स मनीराम जी की कोठी	तीन माह
17	कानोता हवेली मनीराम जी की कोठी	तीन माह
18	स्वर्ण भूमि काम्पलेक्स दडा मार्केट	तीन माह
19	मकान नं. 1907 व 08 धाभाई जी का खुर्रा	तीन माह

उपायुक्त
हवामहल जोन पूर्व
नगर निगम जयपुर

अवैध भवन – द्वितीय चरण जो आंशिक रूप से अवैध है।

क्र.सं.	नाम व पता	कार्यवाही करने की समय सीमा
1	उषा जेन पत्नि विमलेश कुमार जेन, 2657 घीवालो का रास्ता नागोरियों का चौक घाटगेट	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
2	नूरईलाही पुत्र गुलाम मुस्तफा मं.नं. 1048 पदमपुरा हाउस के सामने गंगापोल रोड जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
3	पवन ठोलिया पुत्र अनुपचंद ठोलिया, श्रीमति रेखा पत्नि पवन ठोलिया मं.नं. 2173 चाकसू का चौक जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
4	अ. जब्बार पुत्र अ. वहाब मं.नं. 1480 घीवालो का रास्ता घाटगेट	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
5	रेशमा पत्नि अजीज अली, श्रीमति हीना पोसर पत्नि रशीद अली मं. नं. 5269 चांदी के ताजिये के आगे गली में रेगरो की कोठी घाटगेट।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
6	गोपाललाल पुत्र हनुमान सहाय 53, गोवधनपुरी स्कीम पार्क के पास चो. शर्की शुमाली जयपुर	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
7	उषा जेन पुत्र विमलेश कुमार जेन मं.नं. 2657 रास्ता नागोदिया का चौक जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
8	पुरूषोतम अग्रवाल पुत्र भागीरथ प्रसाद अग्रवाल दुं.नं. 244 मनीरामजी की कोठी घाटगेट	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
9	नसीम बानो पत्नि इरसाद अहमद, इमरान अहमद, अमीर अहमद दुं. नं. 71 से 73, 104 से 106 मिश्रा मार्केट घाटगेट जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
10	रामचंद्र तेजवानी, ओमप्रकाश तेजवानी पुत्र प्रभुदयाल तेजवानी मं.नं. 350 रायजी का घेर काले हनुमानजी मंदिर के सामने चांदी की टकसाल जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
11	आयुष मेहता पुत्र ज्ञानचंद महेता घीवालो का रास्ता मं.नं. 2811 घाटगेट।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
12	राजेश जेन पुत्र निहालचंद जेन मं.नं. 581 उंचा कुंआ हल्दियों का रास्ता जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह

उपायुक्त
हवामहल जोन पूर्व
नगर निगम जयपुर

अन्य अवैध भवन – तृतीय चरण

क्र.सं.	नाम व पता	कार्यवाही करने की समय सीमा
1	सलमान पुत्र अताउल्लाह मं.नं. 3001–3002 खरादियो की मस्जिद के पास घाटगेट	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
2	वसीम, फिरोज पुत्र अ. हकीम छप्परबंधान का मोहल्ला आरएसी गेट का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
3	मो. फईम पुत्र ईस्माइल जगन्नाथशाह का रास्ता, मोहल्ला चितेवालो का मं.नं. 3711 जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
4	अ. शकूर पुत्र अ. गफूर छोटे पार्क के सामने 2294, तकिया यकीनशाह की मस्जिद के पास।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
5	मो. सलीम पुत्र नूरमोहम्मद मं.नं. 4474 घोडा निकास रोड शिकारियों की मोरी के सामने जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
6	मुंशी शगीशमुदीन पुत्र करीमबक्ष 862 एक मीनार की मस्जिद के पास नाल बंधान चौ. गंगापोल।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
7	इकबाल अहमद पुत्र स्व. निसार अहमद आकल खाने का रास्ता नाथ जी की बगीची के पास जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
8	शरीफ पुत्र मुनु खां उर्फ यामिर मं.नं. 2126 रास्ता छप्परबंधान चौ. तोपखाना हजूरी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
9	आरिफ अली पुत्र लियाकत अली एक मीनार मस्जिद के पास नालबंधा का मोहल्ला मं.नं. 829 जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
10	यूसुफ अली पुत्र लियाकत अली मं.नं. 829 एक मीनार मस्जिद के पास मोहल्ला नालबंधान गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
11	वसीउल्लाह पुत्र नवाब पहलवान मं.नं. 2901 मोती सिंह भोमियों का रास्ता में चोरीबरदार के बाग के पास घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
12	आरिफ अहमद पुत्र अ. गफार मं.नं. 3783 जगन्नाथशह का रास्ता नाहरवाडा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
13	बाबू भाई पुत्र स्व शमशुदीन मं.नं. 3375 कोली बस्ती चोराहा गंगाबक्ष जोशी का रास्ता जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
14	रूकमणी देवी पत्नि स्व. कल्याणसहाय कोठी कोलियान केशर जी पार्क के मकान के पास	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
15	शब्बाव जहां पत्नि वाजिद मं.नं. 2835 मोहल्ला महावतान कोठी कोलियान पंचायती मस्जिद के पास।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
16	मो. नासीर अंसारी पुत्र मो. यासिन अंसारी रास्ता छप्परबंधान का पार्षद कार्यालय से पहले गली में।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
17	अ. रहीम पुत्र नूर मो मं.नं. 963 फुटा खुर्रा रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
18	अ. अहात पुत्र अ. अजीज दुं.नं. 123 रामगंज बाजर जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
19	मो. उमर पुत्र मोहम्मदीन मं.नं. 751 लवाण का घेर बांदरी का नासिक चौकडी गंगापोल।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
20	अ. शमी पुत्र अ. सलाम मं.नं. 2932 रेगरो की कोठी मोतिसिंह भोमियो का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
21	अ. सलीम पुत्र अजरउल्लाह मं.नं. 3995 आरा मशीन के सामने नाहरवाडा क. बस्ती जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
22	अनीस अहमद पुत्र गुलाम अहमद मं.नं. 6813 पतगवालो का मोहल्ला चो. रामचंद्रजी जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
23	मो. रफीक पुत्र अ. रशीद दुं.नं. 121 रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
24	तनवरी पुत्र जहांगीर मं.नं. 4042 नाहरवाडा स्कूल के पूर्वी तरफ चो. रामचंद्रजी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
25	शब्बो पत्नि बशीर मं.नं. 4850 श्रीमाल मंदिर के सामने घोडा निकास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
26	मो. रफीक पुत्र नूरमोहम्मद मं.नं. 4575 जगन्नाथशाह का रास्ता मस्जिद मोमिनान के सामने।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
27	वसीम पुत्र मो. जमील मं.नं. 5112 मोहल्ला सरायवाला घाटगेट	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
28	अ. सतार पु. अ. रहीम मं.नं. 2514 कांवटियों का खुर्रा रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
29	असरार पुत्र अ. सत्तार मं.नं. 3760 नाहरवाडा स्कूल की गली चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
30	अ. मजीद पुत्र खलील रहमान मं.नं. 4199 फुटा खुर्रा कोने पर दुकान नं. 247 के उपर रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
31	मो. उमर पुत्र मोहम्मददीन मं.नं. 751 लवाण का घेर बांदरी का नासिक जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
32	फारूक चोधरी पुत्र फकरूदीन मं.नं. 1546 सुलम काम्लेक्स के पास पन्नीरान मोहल्ला जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
33	नूरईलही पुत्र गुलाम मुस्तफा मं.नं. 1048 पदमपुरा हाउस के सामने गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
34	असरार पुत्र अ. सतार मं.नं. 3760 पतंगवालो का मोहल्ला जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
35	उषा जेन टोंग्या पत्नि सुरेश कुमार टोंग्या मं.नं. 2656 घीवालो का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
36	अ. गफार पुत्र अ. गली मं.नं. 1323 बालजी की कोठी का रास्ता मोहल्ला कुण्डो की गुवाडी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
37	अ. मजीद पुत्र खलीलुरहमान दुं.नं. 247 के उपर फुटा खुर्रा रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
38	सुरेंद्र सिंह राजावत पुत्र श्याम सिंह मं.नं. 1563 राधाकिशन का कुण्ड ख्वास जी का रास्ता तीसरा चोराहा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
39	मो. जाहिद पुत्र मो. अमीनुदीन मं.नं. 4 शनीचर जी के खुर्रे के नीचे कन्हैयावालो की मो. डाकोतान चो. हवाली शहर शकी शुमाली।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
40	आदिल पुत्र मो. सलीम शीतला माता का चौक मोहल्ला डाकोतान जयपुरु	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
41	मो. यामीन पुत्र फेयाज खां मं.नं. 3475 भिश्तियों की छोटी मस्जिद के पास घाटगेट जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
42	अख्तर बेग पुत्र नजीर बेग मं.नं. 2813–15 जोगीयो का टीबा मेहरो की गली जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
43	शराफत पुत्र नसीर अहमद दुं.नं. 63–65 मिश्रा माकेट संजय बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
44	मो. इरफान पुत्र अ. शहीद मं.नं. 4601 पुरानी कोतवाली का रास्ता घाटगेट	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
45	प्रकाशचंद सिंधी पुत्र कन्हैयालाल सिंधी मं.नं. 365 रायजी का घेर गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
46	फारूक खां पुत्र बूंदू खं मं.नं. 4602 पुरानी कोतवाली का रास्ता घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
47	आबिद खां पुत्र मजीद खां मं.नं. 679 लवाणजी का घेर का रास्ता गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
48	नंदकिशोर सोनी पुत्र हीरालाल दुं.नं. 2011 भटटो की गली धाबाई जी का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
49	मो. इरफान पुत्र मो. शाहीद मं.नं. 4601 पुरानी कोतवाली का रा. घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
50	शरफुदीन पुत्र नसरूदीन दगडे वाली मस्जिद के पास मो. बिसायतीयान घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
51	मो. अशफाक पुत्र मो. यामीन मं.नं. 4235 जगन्नाथशह का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
52	छीतरमल बेरवा पुत्र गोरीलाल दजियो में बेरवा बस्ती चो. तोपखाना हजूरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
53	शफीक भाई पुत्र अनवारउल्ला मं.नं. 1250 बांदरी का नासिक गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
54	मो. असलम पुत्र मो. यूसूफ मं.नं. 4072 चीते वाली मस्जिद के पास जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
55	जतनचंद जुनीवाल पुत्र रतनचंद जुनीवाल मं.नं. 3866 एमएसबी का रास्ता घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
56	नजमा परवीन पत्नि मसरूर अहमद मं.नं. 907 उंचा कुंआ दरोगा जी की हवेली के सामने हल्दियों का रास्ता घाटगेट।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
57	अ. रहीम पुत्र नूरमोहम्मद मं.नं. 963 मेहरो का रास्ता कोयले वालो की गली घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
58	अ. सईद पुत्र अ. शकूर मं.नं. 3793 जगन्नाथशाह का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
59	रिषभ चोपडा पुत्र सुधीर कुमार मं.नं. 2899 एमएसबी का रास्ता घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
60	नसीम बानो पत्नि मो. सलीम खान मं.नं. 506 मोहल्ला डाकोतान बदनपुरा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
61	जमनालाल पुत्र रामसहायक मं.नं. 3304 बडा नला कोठी कोलियान जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
62	इस्लाम मं.नं. 3501 हांडीपुरा सिलावटान चौ. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
63	अ. कलाम पुत्र अ. सलाम श्रीमति रेहाना बेगम पत्नि मो. सलीम मं.नं. 4636 हांडीपुरा फेमस फार्मेसी जगन्नाथशाह का रास्ता चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
64	बनवरीलाल पुत्र भोरीलाल मं.नं. 270 पुराना आमेर रोड धानका बस्ती गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
65	फारूक खां पुत्र नजीर मोहम्मद मं.नं. 3105 मो. सिलावटान चो. रामचंद्रजी जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
66	प्रकाश जेन पुत्र लल्लूलाल जेन पानो का दरीबा जेन मंदिर के पास चौकडी रामचंद्र जी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
67	फारूक पुत्र रशीद खां मं.नं. 949 मोहल्ला बिलोचियान दिल्ली बाईपास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
68	रेशमा पत्नि अजीज, हीना कोसर पत्नि रशीद अली मं.नं. 5269 रेगरो की कोठी घाटगेट।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
69	अहमद सईद उर्फ प्यारे मियां पुत्र अलादीन मं.नं. 1706 स्टार हाउस उंचा कुंआ हल्दियों का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
70	पप्पू बिलाला पुत्र गोपीचंद बिलाला पुराना आमेर रोड बिलाला गार्डन जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
71	महेश शर्मा, प्रभुलाल व रामकिशोर पुत्र गेंदीलाल मं.नं. 845–46 मोती डूंगरी रोड पर लालकोठी थाने के पास।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
72	मो. आरिफ पुत्र मोहम्मद शरीफ मं.नं. 3042 रेगरो की कोठी का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
73	हीरालाल बालोठिया पुत्र घासीलाल रेगरो की कोठी कसाईयों की गली	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
74	मो. रहीस पुत्र मो. सईद चीतेवालो की मस्जिद के पास जगन्नाथशाह का रास्ता	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
75	सोयल रजवी पुत्र शोकत अली 4723/25 जगन्नाथशाह का रास्ता हांडीपुरा के पास मेनरोड पर चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
76	मो. खलील पुत्र मो. ईस्माइल 4726 लक्ष्मी निवास के सामने वाली गली।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
77	धापादेवी पत्नि बोदूलाल धोबी मं.नं. 365 रायजी का घेर मोती कटला बाजार जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
78	फोजिया पत्नि मो. इमरान नदी कुम्हारान कुम्हारो की नदी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
79	रईस पुत्र अ. हमीद, 1246 खाती वाली गली जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
80	मो. यूनूफ पुत्र अ. हमीद 1994, छोटे पार्क के पास तकिया यकीनशह की मस्जिद के पीछे जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
81	अ. शकुर पुत्र गफूर खां 2314 छोटे पार्क के पास तकिया यकीनशह की मस्जिद के पीछे जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
82	मुन्ना भाई पुत्र फेयाज खां मं.नं. 2299 छोटे पार्क के पास तकिया यकीनशह की मस्जिद के पीछे जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
83	शत्रुधन पुत्र लक्ष्मणदास श्यामकरण जी की हवेली रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
84	यूनूस मिर्जा पुत्र नंन्हे मिर्जा मं.नं. 1380, राधाकिशन का कुंड चाणक्य मार्ग चौ. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
85	असलम पुत्र मो. रहजान मं.नं. 4236 जगन्नाथशाह का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
86	अ. मलिक पुत्र अ. वसीद मं.नं. 2366 कावटियों का खुर्रा चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
87	मो. खलील पुत्र नसीर खां मं.नं. 1871 सांडियो का टीबा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
88	कल्लू पुत्र इमामबक्ष मं.नं. 4546 लदाना हाउस के घेर से पहले घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
89	शोकत अहमद पुत्र सिराज अहमद मं.नं. 4790 घोडा निकास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
90	उपेंद्र कुमार मेहतो पुत्र जगलाल मेहतो मं.नं. 4168–69 मेहरो का रास्ता सूरजपोल बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
91	किशोर सिंघल पुत्र सूरजमल अग्रवाल सूरजपोल दरवाजा बाहर गणेश मंदिर के कोने पर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
92	मोहनलाल अग्रवाल पुत्र भोलाराम अग्रवाल, मं.नं. ए–46 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
93	अनिता बग्गा पत्नि चंद्रपाल बग्गा, सी–6 टीपी नगर जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
94	ऋमस्वरूप मीणा पुत्र बंशीराम मीणा सर्वे नं. 26, 27 गोवधनपुरी गलता गेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
95	राजेंद्र मीणा पुत्र सीताराम मीणा गोवधनुपरी गलता रोड पर मदर टेरेसा वाला मकान	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
96	राजेंद्र मीणा पुत्र सीताराम मीणा गोवधनुपरी गलता रोड पर मदर टेरेसा वाला मकान	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
97	श्यामबिहारी पुत्र गोकूल प्रसाद, बी–213 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
98	मंजू गुप्ता पत्नि स्व. रामवतान गुप्ता बी–47 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
99	सुभाषी मेहता पत्नि कृष्ण कुमार मेहता बी–36 टीपी नगर आगरा रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
100	घीसाराम पुत्र चतुरूराम यादव सर्वे नं. 36/37 पर्वत कालोनी वेदपुरी क.बस्ती जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
101	प्रभाराय चोधरी पत्नि रणजीत चोधरी ए–1 रघुनाथ कालोनी गलता थाने के सामने जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
102	देवेश्वरनाथ बोहर पुत्र परमेश्वर बोहरा बोहरा जी का बाग घाट की गुणी आगरा रोड जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
103	दिनेश विजय संतोष सागर कालोनी ब्रहम्पुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
104	कुलदीप सिंह पुत्र गुलाब सोयल पहाडियो का चोक मंडी खटीकान जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
105	अनिता देवी पत्नि महेश कुमार गुप्ता मं.नं. 205 संतोष सागर कालोनी नाले के पास जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
106	रितु गुप्ता पत्नि श्यामसुंदर गुप्ता मं.नं. बी–43 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
107	रामेश्वरप्रसाद पुत्र रामगोपाल 167 गोवधनपुरी दिल्ली बाईपास रोड	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
108	प्रताप तंवर पुत्र श्रवणलाल प्रभात कालोनी पुलिया नं. 2 के पास मंडी खटीकान जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
109	चंद्रबाल पत्नि माधोलाल मं.नं. ए–9 रघुनाथ कालोनी दिल्ली बाईपास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
110	मो. शरीफ पुत्र सतार खां मं.नं. बी–44–45 के सामने विवेकानंद कालोनी सोफिया स्कूल के पीछे जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
111	गोपाललाल पुत्र हनुमान सहाय 53, गोवधनपुरी स्कीम पार्क के पास चो. शर्की शुमाली जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
112	शाकीर पुत्र अ. रजाक मं.. 23/7 ईदगाह मस्जिद के पास बासबदनपुरा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह

उपायुक्त
हवामहल जोन पूर्व
नगर निगम जयपुर

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

06

जयपुर >> सोमवार, 28 मार्च, 2022

माननीय पानाचंद जैन चीफ़ जस्टिस ज़िन्दगी जीने का अंदाज़ की एक मिसाल

मुस्कराता हुआ क्लीन शेव्ड चेहरा, चश्मे से झाँकतीं प्रभावशाली आंखें, पेंट शर्ट के ऊपर जैकिट और मौज़े पहने हुए पानाचंद जी जैन धीमे लेकिन सधे हुए क़दमों से जब अपने ड्रॉइंग रूम में आये तो मुझे लगा कि वे कहीं जाने की तैयारी में हैं। मैं उन्हें 95 वें जन्मदिन के 6 दिन पहले ही शुभकामनाएँ देने पहुँच गया था। गुलदस्ता देकर माला पहिना कर अपनी लिखित पुस्तकें भेंटकर मैं ने इजाज़त लेने की कोशिश की तो उन्होंने स्नेह से हाथ पकड़ कर अपने निकट सोफ़े पर बिठाया।

मैं ने कहा, सर ,आप कहीं जाने की तैयारी में हैं मेरी वजह से देर हो जायेगी। उन्होंने जो कहा मैं आश्चर्य से उन्हें देखता रह गया ,नहीं रिज़वान, मैं कहीं नहीं जा रहा हूँ । आप तो ऐसे तैयार हैं जैसे कहीं जाने वाले हैं। मैं घर में ऐसे ही रहता हूँ मैं ने अपने आप से तुलना की, अधिकाँश लोगों से

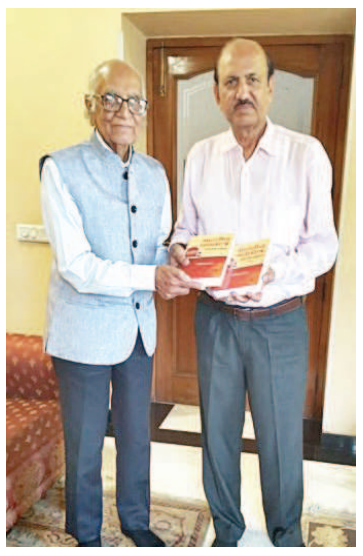

तुलना की जो जब तक घर में रहते हैं, अस्तव्यस्त सिलवटों भरे कुर्ते, पायजामे जैसे कपड़े पहने, बिखरे बाल लिये दिनभर आलसभरा वातावरण बनाये रखते हैं ।

अचानक मेरे मनोमस्तिष्क में बिजली सी कौंध गई और पानाचंद जी के 95 वर्ष में भी एकदम ऊर्जामय रहने का रहस्य उजागर हो गया।

आप अपने जीवन के हर पल को ज़िंदादिली से जियेंगे, महत्वपूर्ण समझेंगे, स्मार्ट बन कर सदैव ऊर्जावान बनाये रखेंगे, अनुशासित रहेंगे तो उम्र आपको नहीं हरा पायेगी, आप जब तक जियेंगे शान से जियेंगे। बातों का जो सिलसिला चला तो अगले 90 मिनट हमारे बीच ढेरों बातें होती गईं।

उनकी याददाश्त की मैं दाद देता हूँ। मुझे रोमांचित कर दिया जब उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 1947 को उन्होंने दिल्ली में झंडारोहण देखा था और महात्मा गांधी को साक्षात देखा, उनके भाषण सुने।

रिटायर्ड जस्टिस पाना चंद जी जैन, लायंस इंटरनेशनल प्रान्त 323 E 2 के पूर्व प्रान्तपाल रह चुके हैं, वहीं से उनका मेरे प्रति गहरा स्नेह बना हुआ है। आज भी वे अनगिनत संस्थाओं के मुखिया हैं, ज़िन्दगी को अनुशासित तरीके से बेहतरीन तरीक़े से जी रहे हैं। उन्होंने अपनी लिखित पुस्तकों के दो संस्करण भारतीय जनतन्त्र, संवैधानिक परिप्रेक्ष्य भेंट किये।

मैं उनसे विदा लेते समय स्वयं को बेहद ऊर्जावान महसूस कर रहा था ,बहुत मना करने के बावजूद बाहर तक वे हमें छोड़ने आये।

आदरणीय पानाचंद जैन जिन्हें सभी काका जी कहते हैं 95 वर्ष के हो चुके हैं मेरी दुआ है कि आप 100 वर्ष पूरे करें स्वस्थ रहें और हमारा मार्गदर्शन करते रहें ।

■ रिज़वान एजाज़ी

काव्य कोना

सूरज-दादा, सूरज-दादा

सूरज-दादा, सूरज-दादा
तुम इतनी गर्मी फैलाओ न
जीव-जंतु सभी व्यथित हैं
तुम इतनी गर्मी बरसाओ न।।
हरे-भरे सब हरियाली पौधे
तपन-ताप से हलाकान हैं
पौधों से है धरती की शोभा
नहीं छीनो इनकी मुस्कान है।।
गरम-गरम हवाएँ चलती
तन-मन को खूब जलाती है
जीव-जंतु और पँछी सारे
इन सबके गले सूख जाते हैं।
जंगल-कानन सुलझ रहे हैं
तुम इतनी अगन बरसाओ न
पेड़-पौधे भी तड़प रहे हैं
इन पर तुम तरस खाओ न।।
तपन-ताप को शीतल कर दो
कुछ बदली कर जाओ न
सूरज-दादा, सूरज-दादा
बस इतना भला कर जाओ न।।

अशोक पटेल 'आशु'
व्याख्याता-हिंदी
तुरमा, शिवरीनारायण, छत्तीसगढ़

बेनाम रिश्ता...

लघुकथा

सुबह सुबह जैसे ही वट्स एप्प खोला तो सबसे पहला मैसेज यही दिखा.. हर इंसान की ज़िंदगी मे एक इंसान ऐसा ज़रूर होता है जो किस्मत में नही होता लेकिन दिल और दिमाग मे ता ज़िन्दगी रहता है। और वो मैसेज पढ़ते पढ़ते उस को लगा कि जैसे किसी ने ये सिर्फ उसी के लिए ही भेजा है हालांकि ये मैसेज उसने साठ लोगों के ग्रुप में देखा था। आंखें बंद करके नीरजा फ्लैश बैक में चली गयी। क्या दिन थे वो भी जब राजीव उस से पहली बार मिला था। लेकिन उसकी पहली नज़र ही उसको सम्मोहित कर गयी। वक़्त की आंधी कुछ ऐसी चली कि दोनो के रास्ते जुदा हो गए और दोनों अपनी ज़िंदगी मे एक नए हमसफ़र के साथ आगे बढ़ गए। ईमानदारी से अपने रिश्तों ओर जिम्मेदारियों को निभाते रहे लेकिन दिल से उस मीठी याद को मिटा नहीं पाए।

एक बार कहीं पढ़ा था कि वक्त का पहिया गोल है। इंसान जहां से चलता है एक बार वहां वापिस ज़रूर आता है और वक्त का पहिया कुछ ऐसा घूमा कि उसने एक बार फिर से दोनों को एक दूजे के सामने ला कर खड़ा कर दिया।

और आज ऐसा लगता है कि जैसे पतझड़ के बाद ज़िन्दगी रूपी पौधे पर नई कोंपले खिल गयी हों। जैसे बहुत गर्मी के बाद बारिश की फुहारें तन मन को भिगो जाती हैं। ऐसे सुखद एहसास के साथ दोनों बस एक दूसरे की आवाज़ सुन लेते और हाल चाल पूछ लेते कुछ बातें कर लेते तो मन को जैसे तसल्ली मिल जाती और लगता कि कुछ अधूरा सा खालीपन सा था जो अब भर गया है। क्योंकि ये वो रिश्ता था जिसको अब कोई नाम तो दे नहीं सकते। ये वो रिश्ता था जो शारीरिक मिलन या दुनियावी मिलन से परे हट कर बस आत्मिक मिलन का ही था जिसे शायद दुनिया कभी ना समझ पाए। और कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो बाकी सब रिश्तों से ऊपर होते हैं लेकिन उन रिश्तों को दुनिया के सामने कोई नाम नहीं दे सकते। इन रिश्तों का दुनिया की नज़रों से अनाम और गुमनाम रहना ही बेहतर होता है।

रीटा मक्कड़

मतलब की दुनिया

मतलब की दुनिया है यार।
नहीं रहा अब कोई प्यार।।
सारे रिश्तों से अब दूर।
मिले नहीं कोई भरपूर।।
काम रहे तब करते याद।
समय नहीं करते बर्बाद।।
छोड़ चले अपने ही हाथ।
नहीं किसी का देते साथ।।
पैसों का है सारा खेल।
छीन झपट अरु रेलम पेल।।
चले लोमड़ी जैसे चाल।
अपने ही करते बेहाल।।
मुँह से निकले मीठी बात।
सभी पीठ पर मारे लात।।
कैसा कलयुग है यह राम।
रिश्तों को करते बदनाम।।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'
छत्तीसगढ़

बाल कविता

विवाह हुआ सम्पन्न
आज जंगल में हुई,
एक विवाह की तैयारी।
मंडप बना आकर्षक,
सजी पत्थरों की अटारी।
चतुरसिंह लोमड़ की,
दुल्हा बनने की बारी।
बिंदु बंदरी बड़ी सुंदर,
दिखती दुल्हन प्यारी।
कुछ जानवर लगे हैं,
पूरे मंडप को सजाने।
कुछ तो बड़े व्यस्त हैं,
अन्य काम निपटाने।
शेर भालू हाथी गैंडा,
बने हुए हैं बाराती।
ऊँट चीता गीदड़ जैसे,
शामिल हुए हैं साथी।
हिनू हिरण मस्त मगन,
झूम-झूम नाच रहा है।
खुश होकर शीलू सियार,
हुआ-हुआ गा रहा है।
हुआ विवाह सम्पन्न,
पूरे रस्म रिवाज़ से।
चतुरसिंह और बिंदु,
हुए पति-पत्नी आज से।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

आओ इंसानियत में रंग जाएँ

भर भर मुट्ठी गुलाल लगाएं
आओ ऐसा फाग मचाएं
जिससे बच्चा बच्चा मेरे वतन का
इंसानियत में रंग जाए
क्यों लिए घूमते हैं हम
ले माचिस की तिलियां
कैसे माफ़ करेंगीं हमको
आने वाली पीढ़ियाँ
सब मिल बीज
सौहार्द के बोएंगे तभी तो
तय कर पाएंगे हम
विकास की सीढ़ियाँ
भर भर थाली गुजिया खिलाएं
आओ ऐसा फाग मनाएं
चप्पा चप्पा मेरे चमन का
ज़न्नत सा रंग जाए
टिमटिम टिमटिम यह कहते तारे
होश में आएंगे इक दिन हमारे
हम संकीर्णता के रंग करेंगें किनारे
अपने हो जाएंगे हमवतन सारे
भर भर मुट्ठी प्यार लुटाएं
आओ ऐसा फाग मनाएं
भारत माँ की सतरंगी चुनरिया
खुशियों से भर जाए।

ज्ञानवती सक्सेना
जयपुर

पृथ्वी-माँ

पृथ्वी माँ आज करती पुकार ,
उजाड़ रहे हैं नित्य मेरा शृंगार।
बेरहम दुनिया निरंतर,
मुझ पर कर रही है प्रहार।
विकास विकास कहते कहते,
हरीयाली का मेरा आवरण का-
कर रहे सत्यानाश।
धानी मेरी चुनरिया हो रही, तार तार।
बिन वृक्षों से कर रहे,
मेरी काया सूनी।
उजाड़ कर वन-उपवन इंसान,
तपाते मेरा सीना और -
शीश भारी।
मेरे कष्टों का इन्हें नहीं कोई-अनुमान।
हरीयाली है मेरा जीवन मेरा संसार,
फूल-पत्तीयों दुर्वा से है मेरा शृंगार।
टहनीयाँ है बाहें मेरी,
जड़ सहित सम्पूर्ण दरख़्त है काया मेरी।
मुझ पर ही सम्पूर्ण संसार बसा है,
क्या प्रकृति और क्या जीव, जन्तु-इंसान।
पृथ्वी माँ है हमारा बोझ झेलती,
करो पृथ्वी को शत शत नमन।

उमेश नाग,
जयपुर

किस बात का अभिमान रे पगले

किस बात का अभिमान रे पगले किस बात का तुम्हें गुरुर?
इस झूठी बल के मद का तुमको क्यों चढ़ा गुरुर?
उस केसरी को एक बार सोचो जिसका था जंगल पर राज।
जिसके जबड़े और नाखून से त्रस्त था जंगल साम्राज्य।।
दांत और नाखून घिसकर अब पकड़ पड़ी उसकी कमज़ोर ।
दाना पानी बीन जीर्ण हो रहे तील तील कर मरने को मज़बूर।।
किस बात का अभिमान रे पगले किस बात का तुम्हें गुरुर?
इस झूठी बल के मद का तुमको क्यों चढ़ा गुरुर?
मस्ती की ग़र बात करें तो गज मस्ती की निराली बात।
कभी रौंदे या कभी चिंघाड़े धूल उड़ाने की निराली बात।
लेकिन जब फँसता कीचड़ में चीख निकलती अपने आप।
तब भेड़िये और कुत्ते का शिकार बन जाता वो गजराज।।
किस बात का अभिमान रे पगले किस बात का तुम्हें गुरुर?
इस झूठी बल के मद का तुमको क्यों चढ़ा गुरुर?
फुफकार की वो डरावनी फूंक जब निकालता वो काला नाग।
कंठ गरल के मद में करता है मनमानी नाग।
लेकिन जब काम न करता उसके वो दंत गरल।
गली के बच्चे पत्थर मारे फुफकारे केवल दंत हीन गरल।।
किस बात का अभिमान रे पगले किस बात का तुम्हें गुरुर?
इस झूठी बल के मद का तुमको क्यों चढ़ा गुरुर?
सीख लेने की जरूरत बस सीखो इससे सुन्दर ज्ञान।
बल में मद में अंधा होकर मत करो अपना नुकसान।
मानव बनकर हम आए हैं मानवता का रक्षा अपना कर्म।
समाज उत्थान के लिए ज़रूरत समर्पित अपना मानव कर्म।।
फिर आने वाले समय में केसरी, गज, या नाग जैसा अंत न हो हे मानव प्रधान।
दाना पानी और सेवा संग उपस्थित होगें सकल जहान।।
किस बात का अभिमान रे पगले किस बात का तुम्हें गुरुर?
इस झूठी बल के मद के माध का तुमको क्यों चढ़ा गुरुर?

श्री कमलेश झा
नगरपारा भागलपुर

विश्व मौसम विज्ञान दिवस 23 मार्च 2022

वर्तमान जलवायु संकट में 'विश्व मौसम विज्ञान' को गंभीरता से रेखांकित करने की ज़रूरत

संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तर पर हम पिछले दो दशकों से देख रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन का संकट बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में तो पूरे विश्व में हमने प्राकृतिक आपदाओं का मंजर ज्वालामुखी उठना, जंगलों में आग, बाढ़, भूकंप, चक्रवात, तूफान जैसे अनेक आपदाओं का संकट बढ़ा है, जिस पर नियंत्रण के लिए वैश्विक स्तरपर पेरिस जलवायु समझौता लाया गया जिसके अनुसार सभी सदस्य देशों को कार्बन उत्सर्जन जीरो तक लाना है।

साथियों इसके साथ ही लगभग हर देश में इन प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर मानवीय जिंदगियों और आजीविका को बचाना, भारी तबाही और नुकसान बचाने मौसम विज्ञान विभाग गठित किया गया है जिसकी पैनी निगाह से वहां की सरकारें इन आपदाओं के बचाव में पूर्व तैयारियों को अंजाम देकर ज़िंदगियों आजीविका और तबाही पर नियंत्रण करने रणनीति रोडमैप बनाते हैं। फिर भी वैश्विक स्तरपर संयुक्तराष्ट्र का विश्व मौसम विज्ञान संगठन भी बना है जो परिचालनात्मक जल विज्ञान और संबंधित भूभौतिकी विज्ञान की एक विशिष्ट एजेंसी भी बनी है जिसका भारत सदस्य है।

साथियों बात अगर हम मौसम विज्ञान की करें तो, यह मौसम का पूर्वानुमान विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी की एक ऐसी शाखा है जिसमें किसी स्थान के वायुमंडलीय दशाओं की वैज्ञानिक भविष्यवाणी की जाती है। पिछले कुछ समय से भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने समुद्री चक्रवातों और तूफानों का सटीक आकलन करना प्रारंभ कर दिया है, जिससे ना केवल करोड़ों-अरबों रूपए की राष्ट्रीय संपत्ति का कम-से-कम नुकसान हुआ है, बल्कि जान-माल का भी कम-से-कम नुकसान हुआ है. चाहे ओडिसा-आंध्रप्रदेश में आया फाइलिन चक्रवात हो, हुदहुद चक्रवात हो, गुजरात में आया निलोफर तूफान हो या फ़िर तमिलनाडु, केरल एवं लक्षद्वीप में आया ओखी चक्रवात हो या फिर पिछले वर्ष कोलकाता और मुंबई में आया हुआ तूफान हो, हर बार भारतीय मौसम विज्ञान विभाग तकरीबन सटीक भविष्यवाणी करने में सफ़ल रहा है।

साथियों बात अगर हम पूर्वानुमान अवधि की करें तो प्रायः मौसम पूर्वानुमान आगामी 24 से 48 घंटों के लिए किया जाता है। आगामी 48 घंटों से एक सप्ताह के लिए मौसम के बारे में किया जाने वाला पूर्वानुमान मध्यम अवधि पूर्वानुमान कहलाता है. मध्यम अवधि पूर्वानुमान सामान्य पूर्वानुमान से जटिल कार्य है। इसके लिए आगामी मौसम को प्रभावित करने वाली बीती मौसमी घटनाओं को सूचीबद्ध किया जाता है। मध्यम अवधि पूर्वानुमान के तहत आगामी 10 दिनों में वायुमंडल के व्यवहार के बारे में भविष्यवाणी की जाती है।

साथियों बात अगर हम मौसम विज्ञान के महत्व और प्रतिवर्ष उसके थीम की करें तो, मौसम विज्ञान द्वारा दी गई जानकारी के फलस्वरुप ही दूर देशों की यात्रा संभव हो पाती है। किस शहर मे क्या मौसम है। कहां कौन सी आपदा है इन सब बातों की जानकारी मौसम विज्ञान द्वारा ही संभव हो पाई है। प्रतिवर्ष मौसम विभाग संगठन यह दिन किसी ना किसी ख़ास विषय को ध्यान में रखकर मनाता है। साल 2011 में विश्व मौसम विज्ञान दिवस के अवसर पर जलवायु हमारे लिए, विषय पर जोर दिया गया। जबकि वर्ष 2013 में इसका विषय था- जीवन और संपत्ति के संरक्षण हेतु मौसम का अवलोकन। साल 2017 में इसका विषय था- उग्र मौसम ने जिंदगियां लील ली और आजीविका को तबाह कर दिया।

साल 2018 में विश्व मौसम विभाग दिवस दुनिया के पटल पर मौसम - तैयार, जलवायु-स्मार्ट के रूप में मनाने के उद्देश्य के साथ संपन्न किया गया। 2019 में सूर्य पृथ्वी और महोत्सव। 2020 में जलवायु और जल। 2021 में महासागर जलवायु और मौसम तथा 2022 में सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण रखा गया है। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में बैठकें, संगोष्ठियों में मौसम विज्ञानी आपस में विचार एवं अनुभव बांटते हैं तथा इस पर चर्चा करते हैं कि इस उभरते विज्ञान के ज्ञान का न केवल भारतीयों बल्कि मानवजाति के कल्याण के लिए कैसे बेहतर उपयोग किया जाए।

साथियों बात अगर हम विश्व मौसम विज्ञान को मनाने की करें तो, इस दिवस पर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मौसम संबंधी विभाग के अधिकार, विशेषज्ञ, समुदाय के नेताओं और आम जनता के लिए सम्मेलन, संगोष्ठी और प्रदर्शनियां आयोजित की जाती है। जिनमें मुख्य रुप से मौसम में घटने वाली विभिन्न घटनाओं पर मंथन किया जाता है। मौसम में हो रहे परिवर्तन और उस पर पड़ रहे प्रभाव का भी विश्लेषण किया जाता है।

साथियों बात अगर हम विश्व मौसम विज्ञान दिवस के इतिहास और वर्तमान बदलाव की करें तो, सन् 1950 में 23 मार्च के दिन संयुक्त राष्ट्र की एक इकाई के रूप में विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) की स्थापना हुई थी और जिनेवा में इसका मुख्यालय खोला गया था। संगठन की स्थापना का उद्देश्य मानव के दुखदर्द को कम करना और संपोषणीय विकास को बढावा देना है। पहले के जमाने में मौसम का पूर्वानुमान बैरोमीटर में आने वाले बदलावों, उस वक्त की मौसमी दशाओं और आकाशीय लक्षणों पर आधारित होता था। किन्तु वर्तमान समय में मौसम का पूर्वानुमान पूरी तरह से कंप्यूटर द्वारा प्राप्त किए गए आंकड़ों पर आधारित होता है। जानकारियाँ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से ली गई है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व मौसम विज्ञान दिवस 23 मार्च 2022, वर्तमान जलवायु संकट में विश्व मौसम विज्ञान को गंभीरता से रेखांकित करने की ज़रूरत है तथा मौसम विज्ञान मानवीय जिंदगियों को और आजीविका बचाने प्राकृतिक आपदाओं की सटीक पूर्वानुमान जानकारी उपलब्ध कराने में पूर्णतःसक्षम है।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

07

जयपुर >> सोमवार, 28 मार्च, 2022

सत्रह बीघा भूमि पर बसाई गई चार अवैध कॉलोनियों को जेडीए ने किया ध्वस्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में निजी खातेदारी की करीब 17 बीघा भूमि पर बसाई गई 04 नवीन अवैध आवासीय कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। साथ ही जेडीए स्वामित्व के गैर मुमकिन आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन श्री रघुवीर सैनी ने बताया जोन-13 के क्षेत्राधिकार ग्राम-बस्सी में अवस्थित जैन नसीया के पास क़रीब 02 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर बिना भूरूपान्तरण कराये नवीन अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिना जेडीए की अनुमति व स्वीकृति के बनायी जा रही ग्रेवल सड़के, बाउण्ड्रीवाल अन्य अवैध निर्माण को पूर्व में दिनांक 02.03.2022 को ध्वस्त किया गया था। उक्त भूमि पर पुनः नवीन अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिना जेडीए की अनुमति व स्वीकृति के सडको को पुनः ठीक करने व बनायी जा रही ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण को आज दिनांक 24.02.2022 को जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मज़दूरों की सहायता से पूर्णतः ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार ग्राम-बस्सी में ही अवस्थित दुसरी करीब 05 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर बिना भूरूपान्तरण कराये नवीन अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिना जेडीए की अनुमति व स्वीकृति के भूमि को समतल कर बनायी जा रही ग्रेवल सडके, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माणों को जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मज़दूरों की सहायता से पूर्णतः ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

ग्राम-बस्सी में पांच सौ मीटर दूरी पर अवस्थित करीब 03 बीघा निज़ी खातेदारी भूमि पर बिना भूरूपान्तरण कराये नवीन अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिना जेडीए की अनुमति व स्वीकृति के भूमि को समतल कर बनायी जा रही मिटटी की सड़के व अन्य अवैध निर्माणों को जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मज़दूरों की सहायता से पूर्णतः ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-13, 06, तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनिकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी विकसित करने व गैर कृषि उपयोग किये जाने के कारण संबंधित निजी खातेदारों के विरूद्ध धारा 175 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर खातेदारी सरकार के नाम करने के सबंध में विधिसम्मत कार्यवाही हेतु जोन उपायुक्त-13 को पत्र लिखे गये है। जैन नसीया के पास पुनः बसाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनी के संबंध में निजी खातेदारों के विरूद्ध धारा 175 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर खातेदारी सरकार के नाम करने के सबंध में विधिसम्मत कार्यवाही हेतु जोन उपायुक्त-13 को पुनः पत्र लिखा गया है। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली व अवैध कॉलोनी बसाने वाली सोसायटियों के विरूद्ध रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग को नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही हेतु लिखे जाने की कार्यवाहियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं। ताकि अवैध कॉलोनी बसाने की प्रवृति पर प्रभावी अंक्रश स्थापित हो सके। कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी विकसित करने व गैर कृषि उपयोग किये जाने के कारण संबंधित निजी खातेदारों के विरूद्ध धारा 175 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम के तहत् कार्यवाही हेतु 69 पत्र उपायुक्त जोनस् को लिखे गये है। वर्ष 2019, 2020, 2021 व 2022 में आज तक कुल 411 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। जविप्रा क्षेत्राधिकार में नवीन कॉलोनी काटने के प्रकरणों में ''जीरो टोलरेंस' की नीति अपनाकर अविलंब प्रभावी विधिसम्मत कार्यवाही एवं पूर्ण ध्वस्तीकरण सुनिष्चित किये जा रहे हैं। फलतः वर्तमान में नवीन अवैध कॉलोनी काटने की प्रवृति पर प्रभावी अंकुश स्थापित हुआ हैं।

जेडीए द्वारा जोन-11 के क्षेत्राधिकार ग्राम जगन्नाथपुरा से ग्राम देवीसिहपुरा जाने वाले जविप्रा स्वामित्व के गैर मुमकिन रास्ते खसरा न. 237, 239, 249, 299 व 308 में लम्बाई क़रीब 700 मीटर व चौडाई 12 से 15 फीट तक में कास्तकारो द्वारा अवैध कब्जा-अतिक्रमण कर मिट्टी की डोल, झाड़ियाँ, तारबंन्दी कर अवैध रूप से खेती कर आम रास्ता अवरूद्ध कर रखा था जिस से आमजन को आवागमन में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार आज दिनांक 24.03.2022 को जोन-11 के राजस्व व तकनीकि स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मज़दूरों की सहायता से हटवाया जाकर जेडीए स्वामित्व के गैर मुमकिन रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाया जाकर आम रास्ते को सुचारू रूप से चालू करवाया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-11 व प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकि स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। वर्ष 2019, 2020, 2021 व 2022 में आज तक कुल 80 कदीमी पुराने बंद आम रास्तो को खुलवाया गया है।

चौपासनी योजना में निर्माणाधीन जोधपुर चौपाटी को किया जाएगा जल्द शुरू

आवासन आयुक्त का मैराथन जोधपुर दौरा सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आवासन आयुक्त आयुक्त श्री पवन अरोड़ा ने मंगलवार को जोधपुर में राजस्थान आवासन मंडल की निर्माणाधीन परियोजनाओं और आवासीय योजनाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इन योजनाओं के सम्बंध में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सभी निर्माणाधीन प्रोजेक्टों को समय पर पूरा करने की हिदायत दी।

आयुक्त ने जोधपुर में वर्तमान चल रहे प्रमुख प्रोजेक्टों महात्मा गांधी सम्बल आवासीय योजना बड़ली, चौपासनी योजना में निर्माणाधीन जोधपुर चैपाटी और कुड़ी भगतासनी योजना का निरीक्षण किया। आवासन आयुक्त महोदय द्वारा कुड़ी भगतासनी योजना और विवेक विहार योजना में लगभग 2 हजार अनिस्तारित आवासों को बाजार के मांग के अनुरूप 50 फीसदी की छूट पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही कुड़ी भगतासनी योजना के आवासों को सात दिवस में मुख्य पाली रोड़ से जोड़ने के भी निर्देश दिए। आयुक्त अरोड़ा द्वारा चौपासनी योजना में निर्माणाधीन जोधपुर चौपाटी के निर्माण कार्य को गति प्रदान करने और आगामी दो माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने महात्मा गांधी सम्बल आवासीय योजना बड़ली में बाहरी विद्युतीकरण के कार्य एवं सड़क के डामरीकरण एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पर उनके साथ मुख्य अभियंता द्वितीय, जी.एस. बाघेला, अतिरिक्त मुख्य अभियंता विजय अग्रवाल, उप आवासन आयुक्त प्रतीक श्रीवास्तव, उप आवासन आयुक्त आर.एस. भाटी, वरिष्ठ नगर नियोजक संतसरण सहित सभी सम्बंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चार अफ़सरों के ख़िलाफ़ पाँच-पाँच हजार का जुर्माना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने सूचना अधिकार कानून की पालना न करने पर विभिन्न विभागों के चार अफ़सरों के खिलाफ़ पांच पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने सूचना देने में कोताही बरतने पर भिन्न भिन्न महकमों के छह अधिकारियों पर दो दो हजार रूपये की शास्ति आरोपित की है। जुर्माना राशि इन अधिकारियों के वेतन से वसूलने का आदेश दिया गया है।

आयोग ने राजसमंद जिले में आमेट पालिका के अधिशासी अधिकारी पर पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। इस मामले में स्थानीय नागरिक ललित कुमार ने अपील दाख़िल कर पालिका प्रशासन की शिकायत की थी। आयोग ने अधिकारी से ज़वाब तलब किया। पर वे न तो हाज़िर हुए, न ही कोई स्पष्टीकरण दिया। सूचना आयुक्त नारायण बारेठ ने इन मामलो की सुनवाई करते हुए एक अन्य मामले में बीकानेर जिले में बैरासर के ग्राम विकास अधिकारी पर पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है।

इस मामले में बैरासर के लालाराम ने गांव में हुए विकास कार्यों की जानकारी मांगी थी। सूचना आयुक्त बारेठ ने जुर्माने के साथ सूचना मुहैया कराने का निर्देश दिया है। आयोग ने ऐसे ही एक मामले में चूरू के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी पर भी पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। एक अन्य मामले में आयोग ने बांसवाड़ा में सार्वजनिक निर्माण विभाग में गढ़ी खंड के अधिशासी अभियंता पर सूचना अधिकार कानून की अवहेलना करने पर पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाया है।

आयोग ने बीकानेर जिले में रोड़ा और साबनिया तथा उदयपुर जिले में ऋषभदेव के ग्राम विकास अधिकारियो पर दो दो हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। ऐसे ही बीकानेर जिले में डूंगरगढ़ पालिका मंडल के अधिशासी अधिकारी और चूरू जिले में रतनगढ़ के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी पर भी सूचना कानून की पालना न करने पर दो दो हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। सूचना आयुक्त बारेठ ने आयोग के आदेश की प्रतिया इन अधिकारियों के महकमों में वरिष्ठ अधिकारियो को भी भेजने की हिदायत दी है।

पटवारी हुआ मौके से फ़रार

आरोपी पटवारी की निवास की तलाशी में 1 लाख 45 हजार रुपये नगद बरामद

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये श्रवण कुमार (प्राईवेट व्यक्ति) को योगेन्द्र सिंह पटवारी हल्का कोसाणा, तहसील पीपाड़, जिला जोधपुर के लिये परिवादी से 1500 रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक श्री भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि कृषि भूमि का नामान्तकरण ऑनलाईन दर्ज करने की एवज में योगेन्द्र सिंह पटवारी हल्का कोसाणा, तहसील पीपाड़, जिला जोधपुर द्वारा 4 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। आरोपी पटवारी द्वारा परिवादी से 2 हजार रुपये पहले ही रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये हैं तथा अब अपने दलाल श्रवण कुमार (प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से 1500 रुपये रिश्वत और मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जोधपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री भोपाल सिंह लखावत के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक श्री रूपसिंह एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये श्रवण कुमार पुत्र श्री माधुराम मेधवाल निवासी पटवार भवन के पास कोसाणा, तहसील पीपाड़, जिला जोधपुर (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 1500 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। आरोपी योगेन्द्र सिंह पटवारी हल्का कोसाणा, तहसील पीपाड़, जिला जोधपुर ए.सी.बी. की कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आरोपी पटवारी योगेन्द्र सिंह के निवास की तलाशी में 1 लाख 45 हजार रुपये अतिरिक्त नगद मिले हैं। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री दिनेश एम.एन. के निर्देशन मे आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा। एसीबी महानिदेशक, भगवान लाल सोनी ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोल-फ्री हैल्पलाईन नं. 1064 एवं Whatsapp हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24ग7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

जयपुर में सरपंच 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर नगर प्रथम इकाई द्वारा आज चाकसू, जयपुर में कार्यवाही करते हुये मुकेश कुमार बलाई सरपंच ग्राम पंचायत छान्देल कलां, तहसील चाकसू, जिला जयपुर को परिवादी से 15 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक श्री भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर नगर प्रथम इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि बी.पी.एल. श्रेणी को आवासीय पट्टा जारी करने की एवज में मुकेश कुमार बलाई सरपंच ग्राम पंचायत छान्देल कलां, तहसील चाकसू, जिला जयपुर द्वारा 1 लाख रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जयपुर नगर प्रथम इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आलोक चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उप अधीक्षक पुलिस श्री नीरज गुरनानी एवं उनकी टीम द्वारा चाकसू जयपुर ट्रेप कार्यवाही करते हुये मुकेश कुमार बलाई सरपंच ग्राम पंचायत छान्देल कलां, तहसील चाकसू, जिला जयपुर को परिवादी से 15 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि आरोपी सरपंच द्वारा परिवादी से पहले ही 70 हजार रुपये रिश्वत राशि के रूप में वसूल किये जा चुके थे। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक श्री दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एसीबी महानिदेशक, भगवान लाल सोनी ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोल-फ्री हैल्पलाईन नं. 1064 एवं जिंजेचच हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24ग7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी। विदित रहे कि एसीबी राजस्थान राज्य में राज्य कर्मियों के साथ-साथ केन्द्र सरकार के कार्मिकों के विरूद्ध भी कार्यवाही करने को अधिकृत है।

चार किलो अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ़्तार, दो कार ज़ब्त

हनुमानगढ़ (हिलव्यू समाचार)। 24 मार्च हनुमानगढ़ की थाना पल्लू पुलिस ने जिला स्पेशल टीम के सहयोग से गुरुवार को गश्त के दौरान नेशनल हाईवे पर एमपी व महाराष्ट्र नंबर की कार में सवार तीन तस्करों को गिरफ्तार कर 4 किलो अफीम जब्त की है। मामले में अग्रिम अनुसंधान नोहर थाना पुलिस कर रही है। बीकानेर रेंज आईजी ओम प्रकाश के निर्देशानुसार अवैध गतिविधियों एवं मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध रेंज के सभी जिलों में ऑपरेशन प्रहार एवं ऑपरेशन मंशा चलाया जा रहा है। इस अभियान की निरंतरता में थाना अधिकारी पल्लू अमर सिंह मय जाब्ता द्वारा जिला स्पेशल टीम की सूचना पर गुरुवार को गश्त व नाकाबंदी के दौरान मेगा हाईवे रोड बिजरासर के पास एक एमपी एवं महाराष्ट्र नंबर की कार को रोककर तलाशी ली तो उसमें सवार तीन तस्करों के पास से 4 किलो अवैध अफीम बरामद की गई।

हमारे वन्य जीव : एशियेटिक-लायन्स

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,

बच्चों, पिछले हफ़्ते मैंने आपको गुजरात के गिर के जंगलों में लगी आग के बारे में बताया था न् ! 'गिर' फ़ॉरेस्ट रिज़र्व एशियाई लायन्स का पूरा विश्व में इकलौता नैचुरल हैबिटैट बचा है, जिसे सन् उन्नीस सौ तेरह में एशियाई शेरों को एक सुरक्षित आवास देने के लिए ही क्रियेट किया गया था, जिसे उन्नीस सौ पैंसठ में सैंक्चुरी स्टेट्स मिला , जिसके बाद सैंकड़ों शेरों को यहाँ ब्रेड किया गया ।गिर सैंक्चुरी, गिर नैशनल पार्क और पानिया सैंक्चुरी , ये तीन मिलकर पाँच सौ इकसठ स्क्वायर माइल का गिर कंज़रवेशन एरिया निर्मित करते हैं । ये विशाल फ़ॉरेस्ट ब्लॉक लायन पॉपुलेशन का कोर एरिया है । इनके अतिरिक्त गिर कंजर्वेशन एरिया के डिस्पर्सल डिस्टैंस पर ही दो सैटेलाइट एरिया भी हैं - गिरनार सैंक्चुरी व मितियाली सैंक्चुरी ।

बीसवीं सदी की शुरुआत तक ये मिडिल ईस्ट के टुर्की (नदर्न भाग) , इराक़,सऊदी-अरब , मेसोपोटामिया तथा पाकिस्तान वग़ैरह में फैले हुए थे, मगर शिकार के चलते अब सिर्फ़ गिर के जंगलों में ही रह गये हैं और लुप्तप्रायः हैं। 2017 में कन्डक्ट किये गये एशियाई लायन सेंसस के अनुसार इनकी कुल संख्या 650 थी । जून , 2020 की गणना के अनुसार इस मैजिस्टिक जानवर की संख्या अब छह सौ से कुछ ऊपर ही बची है।

एशियाई शेर अफ़्रीकन शेरों से ख़ासतौर से अपने गर्दन के आस-पास के कम बालों (मेन्स) से पहचाना जा सकता है । टेल-टफ़्ट भी इसका ज़्यादा बड़ा होता है और पेट के पास की स्किन का डबल-फ़ोल्ड भी इसे ख़ास बनाता है। आमतौर पर इनकी लंबाई नौ फ़ीट सात इंच के क़रीब होती है। कहते हैं कि सोलह सौ बीस में बादशाह जहांगीर ने अपने भाले से दस फ़ीट दो इंच के विशाल शेर को मार दिया था जिसका वजन तीनसौ छ- किलो था। इन बादशाहों और राजे-महाराजों की खुद को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शित करने की बुरी आदत ने हमारे न जाने कितने ही वन्यजीवों का नुक़सान किया है। अठारह सौ इकतालीस में एक ब्रिटिश यात्री ने एक शिकारी के साथ इमरान यात्रा के दौरान ऐसे शेर का ज़िक्र किया है जो अप्रतिम रूप से विशालकाय था , जिसका रंग गहरा भूरा था और कुछ जगहों से जो पूरी तरह काला था ।

क्रमशः

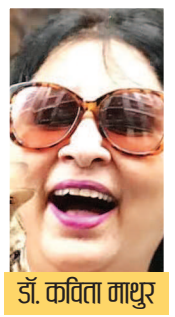

डॉ. कविता माथुर

अवैध हथियारों की बड़ी खेप बरामद

13 देशी कट्टे, एक बंदूक एवं दो पौने बरामद, एक तस्कर गिरफ़्तार

हिलव्यू समाचार

अलवर। अवैध हथियारों की बड़ी खेप बाइक पर लेकर सप्लाई करने निकले एक 60 वर्षीय वृद्ध को नौगावां थाना पुलिस ने गिरफ़्तार किया है। जिसके पास से 13 देशी कट्टे 315 बोर, एक बंदूक 12 बोर एक नाली एवं दो पौने 315 बोर के बरामद किए गए हैं।

अलवर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गिरफ़्तार आरोपी काला सिंह उर्फ काली पुत्र बख्तावर सिंह (60) भरतपुर जिले में थाना सीकरी के छापर गांव का रहने वाला है। आरोपी सीकरी से अवैध हथियार लेकर अलवर के मेवात क्षेत्र में सप्लाई करने निकला था। जिसे मुख़बिर की सूचना पर नौगावां थाना पुलिस ने गिरफ़्तार कर लिया।

एसपी गौतम ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी 8 मुकदमे दर्ज हैं। जिनमें से अधिकतर आर्म्स एक्ट के हैं। गिरफ़्तार तस्कर से गहनता से पूछताछ की जा रही है। जिससे शिघ्र ही अवैध हथियारों की सप्लाई के संबंध में बड़े खुलासा होने की संभावना है। इस कार्रवाई में नौगांवा थाने के हेड कांस्टेबल भरत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिन्होंने अपने संपर्क सूत्र व अन्य तरीकों से आ सूचना संकलित कर इतनी बड़ी मात्रा में अवैध हथियार बरामद करने में सहयोग प्रदान किया।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> सोमवार, 28 मार्च, 2022

'आनंद एक अहसास' जेसीएस की संगीतमय संध्या जेकेके रंगायन में सम्पन्न हुई

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर कल्चरल सोसायटी के बैनर तले 'आनंद एक अहसास' संगीतमयी संध्या का भव्य आयोजन जवाहर कला केंद्र के रंगायन मंच पर 19 मार्च शनिवार को आयोजित किया गया जिसमें 25 प्रसिद्ध गायकों ने अपनी सुरमई प्रस्तुति दी।

जेसीएस की अध्यक्ष कंचन आनंद ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय अग्रवाल विशिष्ट अतिथि अमला बत्रा प्रिंसिपल रिटायर्ड महारानी कॉलेज, उषा श्री प्रसिद्ध नृत्यगुरु, राष्ट्रीय कवियत्री भुवन मोहिनी, प्रिया सिंह राजस्थान की पहली बॉडी बिल्डर, शालिनी श्रीवास्तव अधिस्वीकृत संपादक राजस्थान रहे और कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन कुलदीप गुप्ता एवं आकृति आनंद ने किया। स्तुति आनन्द सहित मुकेश पारीक, अजय कल्ला, डॉ लोकेश, रश्मि बालोदिया, शेखर श्रीवास्तव, राजीव पारीक, पूनम शर्मा पूनम जैन,समीर सेन,केपी सक्सेना,नेहा छीपा,प्रियंका शर्मा, नितिन भटनागर, दीपक सिंह, विक्रम सिंह, नीलू कांवट, संजय चंदनानी, विकास कांवट, भारती शर्मा, शिल्पी चौरसिया ने कार्यक्रम में सुरमई प्रस्तुति दी।

काव्यसाधिका मंच राजस्थान व स्वयं सिद्धा मंच ने मनाया फागोत्सव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। काव्यसाधिका मंच राजस्थान व स्वयं सिद्धा मंच राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर की साहित्य काराओं द्वारा फागोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रदेश संयोजिका कवयित्री डॉ रानी तंवर, सह संयोजिका कवयित्री ज्ञानवती सक्सैना जी ने बताया कि मुख्य अतिथि सौम्या गुर्जर महापौर जयपुर विशिष्ट अतिथि श्री तेज सिंह जी राठौड़,अध्यक्ष पर्यटन विभाग ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

यह कार्यक्रम 15 मार्च 4 बजे से होटल तीज,बनी पार्क में आयोजित किया गया। आमन्त्रित कवियों में वरुण चतुर्वेदी, किशोर पारीक, जितेन्द्र सिंह, भगवती प्रसाद कुलश्रेष्ठ, वैद्य प्रकाश, विवेकानंद, रजुआ जी, कवयित्री डॉ अमला बत्रा. नीलम सपना, मंजू जी, वीनू जी, प्रभात जी, डॉ नेहा पारीक, सलोनी क्षितिज सहित सभी ने होली पर सुन्दर काव्यपाठ किया। महापौर सौम्या गुर्जर के साथ फागोत्सव में सभी कवयित्रियों ने फाग पर नृत्य का भरपूर आनंद लिया। कवयित्री वीनू शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मोहम्मद वकील और जावेद हुसैन ने जारी किया एलबम 'कभी शबनम कभी बारिश'

सैमुअल और सुदर्शन अल्फ्रैड की कंपोजिशन है 'कभी शबनम कभी बारिश'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जाने-माने म्यूज़िक कंपोज़र और सिंगर सैमुअल अल्फ्रैड और युवा गायक सुदर्शन अल्फ्रैड के नए एलबम 'कभी शबनम कभी बारिश' का रविवार को लोकार्पण किया गया। सारेगामा मेगा विनर मोहम्मद वकील और ग़ज़ल गायक जावेद हुसैन ने कलावाड़ रोड स्थित होटल ईशा निवास पर आयोजित समारोह में इसका लोकार्पण किया।

एलबम का संगीत निर्देशन और म्यूजिक अरेंजमेंट सैमुअल और सुदर्शन ने किया है जबकि इसको आवाज़ सैमुअल और अनुराधा कडेल ने दी है। रचना के साथ तबला संगति देवेन्द्र कुमार, वॉयलिन पर दिशा गोस्वामी और ऑकस्टिक गिटार व बेस गिटार पर सुन्दर सैमुअल ने संगत की है। 'कभी शबनम कभी बारिश कभी बादल की तरह दिल की दुनिया में बसे हो किसी जंगल की तरह' मूल रूप से एक ग़ज़ल है जिसे लिखा है प्रदेश की वरिष्ठ शायरा डॉ. जीनत कैफी ने एलबम की शुरूआत भी ज़ीनत कैफी की आवाज़ से होती है जिसमें उन्होंने इस ग़ज़ल के छिपे भाव पर आधारित शेर पढ़ा है। संगीत रचना में सैमुअल और अनुराधा की हॉरमनी सुनने वाले के दिल में रूमानी भावों का संचार करती है। ग़ज़ल के शब्द भी पूरी तरह नायक-नायिका के एक दूसरे के प्रति समर्पण भाव से सराबोर है। इस ग़ज़ल को यू-ट्यूब सहित अनेक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुना जा सकता है। दीपक भाटिया इस एलबम के साउंड इंजीनियर हैं।

राष्ट्रीय संस्था क्युज़किल सफ़र इंडिया ने दी ताज महोत्सव में प्रस्तुति

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राष्ट्रीय संस्था म्युज़किल सफ़र इंडिया ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अपने कलाकारों के साथ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित ताज महोत्सव आगरा में प्रोग्राम हैड विजेंद्र पाठक जी के निर्देशन में शानदार प्रस्तुतियां दी,कार्यक्रम की शुरुआत सपना पाठक और सोनौद्दीन सरकार के युगल गीत तेरी मेरी, मेरी तेरी गीत के साथ हुई जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया, फिर वसीम खान (शैमी) के ,हो गया है तुझको तो प्यार सजना युगल गीत ने खूब तालियां बटोरी तत्पश्चात, संस्था की संस्थापिका व निदेशिका सपना पाठक ने एकल गीत कहे तोसे सजना गीत गाकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया,सपना पाठक ने बताया कि संस्था विगत पांच वर्षों से लगातार ऐसे कलाकारों को मंच देती आई है जो मंच तक नहीं पहुँच पाते हैं, उनका कहना है कि संस्था हमेशा ऐसे कलाकारों के प्रति समर्पित है जो वास्तव में कला के प्रति समर्पित है, ऐसे कलाकारों के लिए संस्था हर माह कार्यक्रम आयोजित करती है।जिससे कलाकारों को प्रोत्साहन मिल सके।

डिग्री पाकर खिले चेहरे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जगतपुरा स्थित विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी जयपुर में शनिवार को उपाधि वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विवेकानंदा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज, जयपुर के वर्ष 2020 बैच के 300 छात्र और छात्राओं को उपाधि वितरण की गई है। कार्यक्रम में डॉ. के. आर. बगड़िया मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। डॉ. के. आर. बगड़िया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे सामने जो युवा बैठे हैं, इन्होंने ही भविष्य में देश को लीडरशिप देनी है, इन युवाओं में असीमित संभावनाएं हैं। इन युवाओं का हौसला, साहस, लगन और ऊर्जा भारत को विश्व में प्रत्येक क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान दिलाएगा। कार्यक्रम का समापन डिप्टी डायरेक्टर अनिल बगड़िया ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए किया एवं विद्यार्थी व शिक्षकों से आधुनिक तकनीक से जुड़ते हुए महाविद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

युवा मंडलेश्वर सिंह डिजिटल पत्रकारिता के आकाश में उभरता सितारा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'कौन कहता है कि आसमां में छेद नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों' इसी जोश और जज्बे के साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में तमन्नाओं का पत्थर एक 21 वर्षीय युवा पत्रकार मंडलेश्वर सिंह ने उछाला है। मंडलेश्वर ने प्रताप नगर जयपुर में गोल्डन हिन्द न्यूज चैनल की शुरुआत की है जिसका शुभारंभ बुधवार को किया गया। इस शुभारंभ समारोह में प्रदेश की कई गणमान्य हस्तियों व पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े दिग्गजों ने शिरकत की। अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव हिलव्यू समाचार संपादक, उद्योगपति विकास सिरोही, न्यूज एंकर कृतिका नयन सिंह और स्फूर्ति सिंह मौजूद मुख्य रहे। इस दौरान अतिथियों ने मंडलेश्वर को बधाई देते हुए उनकी हौसला अफजाई की। गोल्डन हिन्द के मुख्य संपादक मंडलेश्वर देश के सबसे कम उम्र के न्यूज चैनल संपादक हैं। जिस उम्र में लड़के लड़कियां रोजगार की तलाश करते हैं उस उम्र में ही मंडलेश्वर ने अपना खुद का न्यूज चैनल शुरू कर एक मुकाम हासिल किया है। मंडलेश्वर ने बताया कि वह अपने चैनल के माध्यम से गरीब, मजदूर, दलित, आम आदमी, किसान, जवान, बेरोजगार, महिलाओं की आवाज को उठाने का काम करेंगे। वह देश प्रदेश की आम आदमी से जुड़ी हर समस्या और मुद्दे को बखूबी उठायेंगे।

मुख्यमंत्री ने बाईजी के तालाब का किया अवलोकन

मौलिक स्वरूप को संरक्षित रखते हुए विकास के दिए निर्देश

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को जोधपुर शहर के प्राचीन जलाशय बाईजी का तालाब का अवलोकन किया। उन्होंने इसके जीर्णोद्धार तथा सौंदर्यीकरण की प्रस्तावित योजना की जानकारी ली।

गहलोत ने जिला कलेक्टर श्री हिमांशु गुप्ता व संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब के मूल हेरिटेज स्वरूप को बरकरार रखते हुए यहां पार्क, वॉक-वे और पार्किंग सुविधाओं को विकसित किया जाए। निरीक्षण के दौरान विधायक श्रीमती मनीषा पंवार, नगर निगम (उत्तर) महापौर श्रीमती कुंती देवड़ा परिहार, जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त डॉ. इंद्रजीत यादव सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे। बाईजी का तालाब के अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों से संवाद भी किया। उन्होंने वहां उपस्थित बच्चों से पूछा कि इस तालाब के पास विकास कार्य के रूप में उन्हें क्या चाहिए। इस पर सभी बच्चों ने एक स्वर में कहा, उन्हें यहां पार्क चाहिए।

अमृत महोत्सव कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन किया

अमृत महोत्सव 30 मार्च को

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जय श्रीमन्नारायण परिवार की ओर से अखंड कोटि ब्राह्मण्ड नायक श्रीपति श्री विष्णु एवं जगजननी पराम्बा गोदारंगनाथ की असीम अनुकंपा से दादा गुरुदेव 108श्री श्याम सुंदराचार्य जी महाराज की 90वीं जन्म जयंती अमृत महोत्सव के रूप में गुरुदेव इन्द्रमणि के सान्निध्य में मनाई जा रही है। इस कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। विमोचन कार्यक्रम में अकिंचन महाराज, रमेश खण्डेलवाल, बीके चित्तौडा, रवि गुप्ता, डॉ.राकेश चित्तौडा,नवदीप लाटा, गिरधारी शर्मा, धमेन्द्र प्रधान मौजूद थे।

गुरूदेव इन्द्रमणि ने बताया कि अमृत महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम का आयोजन बुधवार 30 मार्च 2022 को जेएलएन मार्ग जवाहर सर्किल इंटरटेनमेंट पैरेडाइज स्थित रोज गार्डन जयपुर में किया जाएगा। महोत्सव की शुरूआत दोपहर तीन बजे साधु संत आगमन और सम्मान समारोह के साथ की जाएगी। शाम को 4 बजे भजन संगीत व सत्संग का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान साधु संतों का सम्मान किया जाएगा साथ ही कोरोना काल के दौरान मंदिरों की ओर से आमजन के हितार्थ किए गए कार्यों के लिए मंदिर महंतों और पुजारियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

नवसंवत्सर का होगा जोरदार स्वागत

आठ दिशाओं में जायेगें श्वेत अश्व, नवसंवत्सर का करेंगे प्रचार-प्रसार

सात दिवसीय होंगे कार्यक्रम, मंदिरों में गूंजेंगे घंटे-घडियाल

हिलव्यू समाचार

जयपुर । भारतीय संस्कृति के पावन उत्सव चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय नववर्ष नवसंवत्सर 2079 प्रारम्भ हो रहा है। इसके स्वागत के लिए 7 दिवसीय नवसंवत्सर उत्सव बडे ही धूमधाम से जयपुर में आयोजित किया जायेगा।

संस्कृति युवा संस्था एवं नव संवत्सर उत्सव समारोह समिति के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि 27 मार्च से 2 अप्रैल तक 7 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रम नव संवत्सर उत्सव के रूप में आयोजित किये जायेगें। जिसमें 28 मार्च को नव संवत्सर के स्वागत के लिये चार सफेद अश्व छोडे जायेगें। ये अश्व वास्तु के हिसाब से आठ दिशाओं में ईशान में खोले के हनुमानजी मंदिर, पूर्व में गलता, आग्नेय में गोनेर मंदिर, दक्षिण में सांगा बाबा, नैऋत्य में स्वामी नारायण मंदिर, पश्चिम में हाथोज हनुमान जी, वायव्य में कदम्ब डूंगरी व उत्तर में आमेर में काले हनुमान मंदिर जी के लिये छोडे जायेगे और नव संवत्सर का अनूठे तरीके से प्रचार-प्रसार करेगें। भारतीय संस्कृति और नव संवत्सर का प्रचार करने के लिये यह श्वेत अश्व जयपुर शहर के सभी प्रमुख स्थानों से होते हुए मंदिरों में जायेगें।

मिश्रा ने बताया कि एक जमाने में अश्व छोडने की परम्परा थी उसके माध्यम से राजा लोग अपने साम्राज्य का विस्तार करते थे। लेकिन हम जयपुर में यह अनूठा एवं अद्भुत आयोजन इस लिये कर रहे है कि जयपुर की लगभग पूरी आबादी को नव संवत्सर के प्रति जागरूक किया जा सके। इस बहाने युवाओं में कौतूहल एवं जाग्रति आयेगी। नवसंवत्सर उत्सव समारोह समिति के संयोजक पं. देवीशंकर शर्मा ने बताया कि इन सभी श्वेत अश्वों को कल मोती डूंगरी गणेश मंदिर से सुबह 10:00 बजे रवाना करेगें। इनका विधिवत पूजन ज्योतिषाचार्य पं. पवन शर्मा द्वारा वैदिक रीति से किया जायेगा और मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा और जयपुर के विभिन्न मंदिरों के संत-महंत उनकी आरती उतारकर रवाना करेगें। ये अश्व 4 दिन तक आठों दिशाओं में जब घुमेंगें तो इनके साथ में समिति के कार्यकर्ता पम्पलेट बांटते हुए चलेंगे साथ ही इन अश्वों पर बैनर लगे होंगे जिन पर ''नवसंवत्सर 2079 मंगलमय हो,'' ''नवसंवत्सर 2079 की हार्दिक शुभकामनाओं'' के बैनर लगे होगें। विशेषकर युवाओं से आग्रह करेंगे कि भारतीय नव संवत्सर को धूमधाम से आयोजित करें। साथ ही इस बार विभिन्न एसएमएस, व्हाट्सअप मैसेज, होर्डिंग बैनर लगाकर पुरे जयपुर शहर में लोगों से आग्रह करेगें कि नव संवत्सर की बधाइयां दे।

महामंडलेश्वर महंत पुरुषोत्तम भारती ने बताया कि 2 अप्रैल को जयपुर के प्रमुख मंदिरों में घंटे-घडियाल बजाकर नवभोर का स्वागत होगा एवं शाम को गोविन्द देवजी के मंदिर में महाआरती का आयोजन किया जायेगा। पं. देवी शंकर शर्मा ने बताया कि पाश्चात्य संस्कृति के हिसाब से नववर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है लेकिन युवा वर्ग को अपने संस्कारों से परिचय हो इसलिये इस बार के आयोजन में युवाओं की अधिकाधीक प्रतिभागिता हो इसके लिए प्रचार किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**